साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 265 | जौनपुर, शनिवार, 22 जून 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

अनिश्चित कालीन भूख हड़ताल शुरू करने से पहले आतिशी राजघाट पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार की जल मंत्री आतिशी ने हरियाणा से प्रतिदिन 100 मिलियन गैलन पानी छोड़े जाने की अपनी मांग को लेकर अनिश्चित कालीन भूख हड़ताल करने से पहले राजघाट जाकर महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। आतिशी के साथ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता, आम आदमी पार्टी (आप) नेता सौरभ भारद्वाज और संजय सिंह मौजूद थे। आतिशी ने इससे पहले सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हर संभव प्रयास करने के बाद भी हरियाणा सरकार दिल्ली को पूरा पानी नहीं दे रही है, इसलिए वह दक्षिणी दिल्ली के भोगल इलाके में दोपहर 12 बजे से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करेंगी। आम आदमी पार्टी (आप) की नेता ने एक्स पर कहा था, आज से 'पानी सत्याग्रह' शुरू करूंगी... मैं आज 12 बजे से भोगल, जंगपुरा में अनिश्चित कालीन अनशन शुरू करूंगी। जब तक दिल्ली वालों को हरियाणा से अपने हक का पानी नहीं मिलेगा तब तक अनशन पर रहूंगी। हरियाणा पिछले दो सप्ताह से दिल्ली को उसके हिस्से के 613 एमजीडी पानी के मुकाबले प्रतिदिन 100 मिलियन गैलन कम पानी छोड़ रहा है।

नीट पेपर लीक मामले में मुख्य आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए – मायावती

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने मांग की कि नीट पेपर लीक मामले में मुख्य आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सरकार को नीट पेपर लीक मामले के मुख्य आरोपियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करनी चाहिए, क्योंकि इसकी वजह से निर्दोष छात्र पिस रहे हैं। प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पेपर लीक की आड़ में सियासत करना ठीक नहीं है। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा–स्नातक (नीट–यूजी) 2024 पांच मई को 4,750 केंद्रों पर आयोजित की गई थी जिसमें लगभग 24 लाख अभ्यर्थियों ने भाग लिया था। इस परीक्षा का परिणाम 14 जून को घोषित किये जाने की उम्मीद थी, लेकिन परिणाम चार जून को ही घोषित दिये गये थे क्योंकि उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पहले ही पूरा हो गया था। सरकारी और निजी कॉलेजों के एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए नीट–यूजी का आयोजन देशभर में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा कराया जाता है।

सीएम योगी और राज्यपाल 10वें अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में सम्मिलित हुए

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी आज 10वें अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर यहां राजभवन में आयोजित सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। राज्यपाल जी एवं मुख्यमंत्री जी ने योगाभ्यास कार्यक्रम में शामिल योग साधकों, प्रशिक्षुओं सहित समस्त प्रदेशवासियों को अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर राज्यपाल जी ने कहा कि 10वें अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस–2024 की थीम 'स्वयं और समाज के लिए योग' का उद्देश्य योग को एक वैश्विक आंदोलन के रूप में फैलाना तथा सामाजिक स्वास्थ्य समस्याओं और जनकल्याण के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना है।

आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में श्रीनगर में 10वें अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य योगाभ्यास कार्यक्रम सम्पन्न हो रहा है। प्रधानमंत्री जी ने संयुक्त राष्ट्र संघ में इस बात के लिए लोगों को नई प्रेरणा दी कि वास्तव में अगर विश्व कल्याण का मार्ग प्रशस्त करना है तो केवल योग से हम इसको आगे बढ़ा सकते हैं।

राज्यपाल जी ने कहा कि अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस हमें अपनी ऋषि परम्परा की विरासत पर गर्व करने की प्रेरणा देता है। योग जीरो बजट वाला दुनिया का सबसे पहला हेल्थ इंश्योरेंस है। योग स्वास्थ्य व कल्याण का समग्र दृष्टिकोण है, जो स्वस्थ और संतुलित जीवन शैली को प्रोत्साहित करता है। हमारी भारतीय आयुष पद्धति सम्पूर्ण

आरोग्यता के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करती है, जिसकी ओर पूरी दुनिया आकर्षित हो रही है। संपूर्ण आरोग्यता प्रदान करने की दिशा में योग की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है।

राज्यपाल जी ने कहा कि राजभवन द्वारा विकसित वेबपोर्टल में प्रतिदिन योग करने संबंधी शपथ का अभियान 14 जून, 2024 से 18 जून, 2024 तक चला। इसमें प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों, सम्बद्ध महाविद्यालयों तथा अन्य लोगों द्वारा भी नामांकन कर प्रतिभाग किया गया। इस अभियान में कुल 26,22,467 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग कर शपथ ली गयी और यह एक विश्व रिकार्ड बन गया है।

राज्यपाल जी ने कहा कि बढ़ते हुए तापमान का दुष्प्रभाव सभी के जीवन पर पड़ रहा है। इस समस्या से निपटने का सर्वोत्म उपाय है पौधारोपण है। उन्होंने सभी से आग्रह करते हुए कहा कि अधिक से अधिक पौधारोपण करें तथा रोपित पौधों की नियमित देखरेख करें। प्रधानमंत्री जी द्वारा 'एक पौधा मां के नाम' अभियान प्रारम्भ किया गया है। सभी लोग अपने प्रिय लोगों के नाम एवं स्मृति में पौधा रोपित करें और उसकी देखभाल भी करें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि योग एक सम्पूर्ण विधा है, जो हमें शारीरिक और मानसिक रूप से एकजुट करता है। भारत की ऋषि परम्परा ने अपनी दूरदृष्टि का परिचय देते हुए योग के माध्यम से समाज व धर्म को जोड़ने का कार्य किया। भारत की ऋषि परम्परा ने धर्म के माध्यम से सांसारिक उत्कर्ष, खुशहाली, ईज ऑफ लिविंग व मोक्ष प्राप्ति के लिए हमें मार्ग दिखाए हैं। योग भी हम सबको इस परम्परा के साथ जोड़ने का कार्य करता है। अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस हम सभी भारतवासियों को अपनी विरासत का स्मरण करने और भारत की ऋषि परम्परा के प्रति श्रद्धावनत होने का अवसर प्रदान करता है। पीएम श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रयासों व विजन का परिणाम है कि आज दुनिया के लगभग 200 देश अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के माध्यम से भारत की इस विरासत से जुड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री जी आज स्वयं भारत के मुकुट कश्मीर में श्रीनगर स्थित डल झील पर हजारों योग साधकों के साथ सामूहिक योग कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं। 10वें अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'स्वयं और सबके लिए योग' के साथ आज पूरे देश और दुनिया में योग कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। इसमें जाति, क्षेत्र, भाषा, देश व काल का भेद नहीं है। प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से हम सब सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में जुड़े हैं।

जम्मू–कश्मीर में जल्द होंगे चुनाव – पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल के दौरान जम्मू–कश्मीर में अपने

पहले संबोधन में विधानसभा चुनाव और राज्य का दर्जा वापस करने का वादा किया। उनका यह बयान तब आया जब वह गुरुवार को श्रीनगर के शेर–ए–कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) में एक युवा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। 2019 में दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित जम्मू और कश्मीर ने अपनी विशेष स्थिति खो दी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा किए गए वादे की प्रतीक्षा कर रहा है। इस क्षेत्र में पिछला विधानसभा चुनाव 2014 में हुआ था और नए चुनाव की मांग लंबे समय से की जा रही थी। मोदी ने कहा कि अटल जी ने जो इंसानियत, जम्हूरियत और कश्मीरियत का विजन दिया था, उसे आज हम हकीकत में बदलते देख रहे हैं। इस चुनाव में आपने जम्हूरियत को जिताया है। आपने पिछले 35–40 सालों का रिकॉर्ड तोड़ा है। ये दिखाता है कि जम्मू–कश्मीर का नौजवान, जम्हूरियत को लेकर कितने भरोसे से भरा हुआ है। पीएम मोदी ने कहा कि विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। वह समय दूर नहीं जब आप अपने वोट से सरकार चुन सकेंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वह दिन भी दूर नहीं जब जम्मू–कश्मीर एक राज्य के रूप में अपना भविष्य खुद तय कर सकेगा। राज्य के दर्जे की वापसी एक प्रमुख विषय रहा है जिसे पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल के दौरान संबोधित किए जाने की उम्मीद है, हालांकि सरकार की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। विधानसभा चुनाव के बाद राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा।

तीन नए आपराधिक कानूनों का सीएम ममता ने विरोध किया

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर तीन आपराधिक कानूनों– भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता – के कार्यान्वयन को स्थगित करने का अनुरोध किया है। बनर्जी ने इन पर संसद में आगे चर्चा की मांग की है। इसके साथ ही ममता ने आपराधिक कानूनों की नये सिरे से संसदीय समीक्षा पर जोर दिया। इन कानूनों के आसन्न कार्यान्वयन पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ने कहा कि मैं आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करता हूं कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023, भारतीय सुरक्षा अधिनियम (बीएसए) 2023 और भारतीय नागरिक सुरक्षा स्वच्छता (बीएनएसएस) 2023 के कार्यान्वयन को स्थगित करने की हमारी अपील पर विचार करें। ममता बनर्जी ने लिखा कि हमारा मानना घ्है कि

यह स्थगन नए सिरे से संसदीय समीक्षाध्जनादेश को सक्षम करेगा, कानूनी प्रणाली में जनता के विश्वास को मजबूत करेगा और हमारे प्यारे देश में कानून के शासन को कायम रखेगा। 25 दिसंबर, 2023 को भारत के राष्ट्रपति ने बीएनएस, बीएसए और बीएनएसएस को सहमति दी। जैसा कि अधिसूचित किया गया है, ये नए आपराधिक कानून इस साल 1 जुलाई से प्रभावी होने हैं। नए कानून क्रमशः औपनिवेशिक युग के भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेंगे। सूत्रों के मुताबिक, टीएमसी प्रमुख ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम से भी मुलाकात की, जो विधेयकों की जांच करने वाली संसद की स्थायी समिति का हिस्सा थे, और उनसे इस मुद्दे पर चर्चा की। टीएमसी नेता डेरेक ओ ब्रायन, द्रमुक नेता एनआर एलंगो और चिदंबरम ने तीनों विधेयकों पर अपनी रिपोर्ट में असहमति जताई थी। ममता ने कहा कि ये तीनों विधेयक लोकसभा में ऐसे समय में पारित हुए, जब 146 सांसद सदन से निलंबित थे। ममता ने कहा, आपकी पिछली सरकार ने इन तीन महत्वपूर्ण विधेयकों को एकतरफा और बिना किसी बहस के पारित कर दिया था। उस दिन, लोकसभा के लगभग 100 सदस्यों को निलंबित कर दिया गया था।

ईडी ने हाईकोर्ट में सीएम केजरीवाल की जमानत का किया विरोध

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के लिए एक बड़े झटके में, दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को निचली अदालत के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें उन्हें अब खत्म हो चुकी उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत दी गई थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ट्रायल कोर्ट के जमानत आदेश को चुनौती दी थी। जस्टिस सुधीर कुमार जैन और रविंदर डुडेजा की अवकाश पीठ ने ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगाते हुए कहा, ष्जब तक हाई कोर्ट मामले की सुनवाई नहीं करता, तब तक रुकें। दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा मामले की सुनवाई किए जाने तक ट्रायल कोर्ट (राउज एवेन्यू) में कोई कार्यवाही शुरू नहीं होगी। ईडी ने अदालत में दलील देते हुए कहा कि धारा

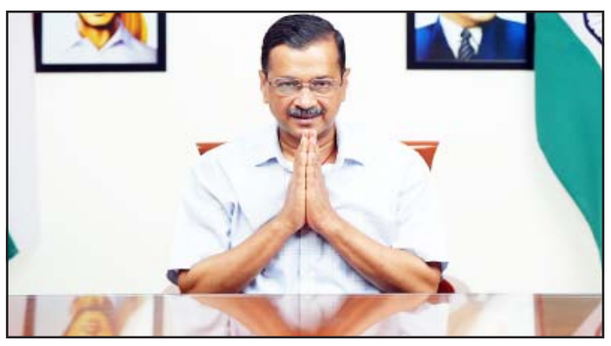

45 की कठोरता पर कोई निष्कर्ष नहीं निकला है। उसने आगे कहा कि, जमानत रद्द करने के लिए इससे बेहतर कोई कारण नहीं हो सकता।ष सुनवाई दोबारा शुरू होने पर प्रवर्तन निदेशालय का प्रति निधित्व कर रहे वकील ने हाई कोर्ट में ट्रायल कोर्ट का आदेश दिखाया और इसे चौंकाने वाला बताते हुए इस पर सवाल उठाए। प्रवर्तन निदेशालय ने कोर्ट में दलील देते हुए आरोप लगाया कि ट्रायल कोर्ट ने जमानत आदेश देने से पहले सामग्री और सबूतों पर गौर नहीं किया। ईडी ने अदालत में अपनी दलील रखते हुए कहा कि ट्रायल कोर्ट ने अप्रासंगिक तथ्यों पर विचार किया है और जमानत देते समय प्रासंगिक तथ्यों पर विचार करने में विफल रही। ईडी की ओर से पैरवी कर रहे एएसजी एसवी राजू ने भी कहा कि ट्रायल कोर्ट का आदेश पूरी तरह से विकृत है। अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुइता केजरीवाल ने कहा, कल ही आपके सीएम को जमानत मिल गई। आदेश सुबह अपलोड किया जाना था।

मध्य प्रदेश के स्कूल और कालेज में पढ़ाए जाएंगे राम और कृष्ण के पाठ – मोहन यादव

भोपाल, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर शुक्रवार को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि राज्य की उच्च शिक्षा और स्कूली शिक्षा में राम और कृष्ण के पाठ पढ़ाए जाएंगे। राज्य की राजधानी भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ यादव ने योग दिवस के मौके पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में हिस्सा लेने के बाद संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा, रामपथ गमन और श्री कृष्ण पथ गमन दो परियोजनाओं को राज्य सरकार ने अपने हाथ मे लिया है। भगवान राम और कृष्ण राज्य में जिन–जिन स्थानों पर गए हैं, उन स्थानों को राज्य सरकार ने तीर्थ स्थल के तौर पर विकसित करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने आगामी योजना का जिक्र करते हुए कहा, भगवान राम और कृष्ण की उपलब्धियों को उच्च शिक्षा और स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रम में भी शामिल करने वाले हैं। भाजपा की घोषणा पत्र में भी जो बातें कही गई हैं उन पर सरकार गठन के बाद से फैसला लेना शुरू कर दिया है। ज्ञात हो कि राज्य में राम पथ गमन योजना पर सरकार लंबे अरसे से काम कर रही है। सरकार ने इसके लिए कुछ जिलों का चयन भी कर लिया है। इससे पहले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शुक्रवार को मध्य प्रदेश में उत्साह और उमंग के साथ लोगों ने योगाभ्यास किया। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राजधानी में आयोजित राज्य स्तरीय योग कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

नीट पेपर लीक मामले में जो भी दोषी हो, कार्रवाई होनी चाहिए

पटना, एजेंसी। बिहार में नीट पेपर लीक मामले में बयानबाजी तेज हो गई है। अब, राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा है कि पूरे मामले की जांच के साथ ही जो भी दोषी मिले, उस पर कार्रवाई होनी चाहिए। पत्रकारों से बातचीत के दौरान राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि प्रदेश में सरकार उनकी, केंद्र में सरकार उनकी, जांच एजेंसी उनकी, तो फिर क्या है। अगर किसी का नाम आ रहा है, तो उसे बुलाकर पूछताछ करनी चाहिए, इसमें दिक्कत क्या है। मैं तो खुद कह रहा हूं कि मुख्यमंत्री उससे पूछताछ कर लें। पेपर लीक मामले में उनके पीएस का नाम घसीटने से कुछ नहीं होगा। उन्होंने उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा को अज्ञानी बताते हुए कहा कि उन्हें जानकारी प्राप्त करनी चाहिए। तो इसके खिलाफ मई से आवाज उठा रहे हैं। इस मामले में मुख्य मुद्दे से ध्यान हटाना है। इसका किंगपिन कौन है? जो भी मामला है, वह आज नहीं तो कल सबको पता चल जाएगा। किसी का नाम घसीटने से किसी को कोई फायदा होने वाला नहीं है। उन्हें यह बताना चाहिए कि अमित आनंद और नीतीश कुमार कौन हैं? आखिर यही तो किंगपिन हैं। उनको कोई बचाने में क्यों लगा है?

श्रीलंका के साथ भारत का मजबूत रिश्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपनी एक दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर श्रीलंका में थे। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा श्रीलंका के लिए एक विश्वसनीय मित्र और भरोसेमंद भागीदार रहेगा। हालांकि, हाल के चुनाव में कच्चातिवु द्वीप जिस तरह से सुर्खियों में था, उसके बाद इस बात की संभावना थी कि जयशंकर के श्रीलंका दौरे के दौरान यह मुद्दा उठेगा। जयशंकर का श्रीलंका दौरा एकदिवसीय था लेकिन पिछले कुछ सालों में उनका यह पांचवा दौरा है। इसी से साफ तौर पर पता चल सकता है कि भारत का रिश्ता श्रीलंका से कैसा है। उन्होंने बताया कि विदेश मंत्री के बातचीत श्रीलंका के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से हुई है। श्रीलंका के विदेश मंत्री से भी बातचीत हुई है। कई सारे विकास

परियोजनाओं का भी साझा रूप से उद्घाटन किया गया। विदेश मंत्री श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति से भी मिले हैं। विपक्ष के नेता से भी मिले हैं। साथ ही साथ उन्होंने कई राजनीतिक दलों के नेताओं से भी मुलाकात की है। उन्होंने कहा कि भारत श्रीलंका का संबंध बेहद मजबूत बना हुआ है और यह हमारे रिश्तों के लिए बहुत अच्छा है। जयशंकर ने श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे सहित देश के शीर्ष नेतृत्व के साथ बातचीत की तथा राष्ट्रपति के साथ भारत से 60 लाख अमरीकी डॉलर के अनुदान से निर्मित समुद्री बचाव समन्वय केंद्र का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। श्रीलंका पहुंचे और उन्होंने राष्ट्रपति भवन में विक्रमसिंघे से मुलाकात की। जयशंकर ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं दीं और बिजली, ऊर्जा, संपर्क, बंदरगाह बुनियादी ढांचे, विमानन, डिजिटल, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, शिक्षा और पर्यटन क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। राष्ट्रपति रानिल विक्रम सिंघे के मार्गदर्शन में भारत–श्रीलंका के बीच सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की गई।

योग मानवता के लिए भारत का अनूठा उपहार है – राष्ट्रपति

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि योग मानवता के लिए भारत का अनूठा उपहार है और जीवनशैली से जुड़ी बढ़ती समस्याओं के कारण यह और भी महत्वपूर्ण हो गया है। मुर्मू ने राष्ट्रपति सचिवालय के अधिकारियों के साथ यहां राष्ट्रपति भवन में योग भी किया। राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर पूरे विश्व समुदाय, खासकर भारत के नागरिकों, को बधाई।

संपादकीय

संख्या बढ़ाने पर विचार

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) कथित तौर पर आईएएस अधिकारियों की वार्षिक भर्ती को 180 से बढ़ाकर 210 करने पर विचार कर रहा है। यह संभावित नीतिगत बदलाव एक विभागीय समिति और भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) की रिपोर्ट पर आधारित है। यदि यह योजना सफल होती है, तो यह नरेंद्र मोदी सरकार के पहले कार्यकाल से उलट होगा, जिसमें सिविल सेवाओं और अखिल भारतीय सेवाओं (एआईएस) की भर्तियों में लगभग 40 प्रतिशत की कमी देखी गई थी। जानकार लोग विभिन्न सरकारी स्तरों पर व्यापक रिक्तियों के कारण अधिक बाबुओं की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हैं, जो 2014 से लगभग 100 नए जिलों के जुड़ने से और बढ़ गई है। वर्तमान में, देश भर में 1,300 से अधिक आईएएस पद रिक्त हैं, जो एक बढ़ती हुई चिंता का विषय है। स्थिति अब सरकार को आईएएस अधिकारियों की वार्षिक भर्ती पर लगाई गई सीमा का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए मजबूर कर सकती है। पहले, प्रचलित दृष्टिकोण यह था कि भर्ती को 180 से बढ़ाने से बाबुओं की गुणवत्ता और करियर की प्रगति से समझौता हो सकता है। अब शायद यह बदल गया है। ।कअमतजपेमउमदज स्पष्ट रूप से, स्थिति पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। सूत्रों ने डीकेबी को बताया कि सरकार 51 उप सचिव, निदेशक और संयुक्त सचिव पदों को पार्श्व प्रवेश के माध्यम से भरने की योजना बना रही है ताकि रिक्तियों को तेजी से दूर किया जा सके। आईएएस अधिकारियों की संख्या बढ़ाने का कदम हाल के वर्षों में आईपीएस अधिकारियों और भारतीय वन सेवा (आईएफओएस) अधिकारियों की संख्या में वृद्धि की तरह होगा। अपडेट के लिए इस स्थान पर नजर रखें। कॉरपोरेट गवर्नेंस को लागू करने के लिए एक साहसिक कदम उठाते हुए, सेबी ने पीटीसी इंडिया और इसकी सहायक कंपनी, पीटीसी इंडिया फाइनेंशियल सर्विसेज (पीएफएस) के दो शीर्ष अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की है। पीटीसी इंडिया के सीएमडी और पीएफएस के निदेशक राजीब कुमार मिश्रा पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया, जबकि पीएफएस के पूर्व एमडी और सीईओ पवन सिंह पर 25 लाख रुपये का और भी अधिक जुर्माना लगाया गया। लेकिन सेबी यहीं नहीं रुका। श्री मिश्रा और श्री सिंह दोनों को किसी भी सूचीबद्ध कंपनी में कोई भी बोर्ड या प्रमुख प्रबंधकीय पद संभालने से भी रोक दिया गया है। उन्हें जनता से धन जुटाने की इच्छुक किसी भी सूचीबद्ध इकाई से जुड़ने से भी मना किया गया है। यह कार्रवाई जून 2023 में भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देश के बाद की गई है, जिसके तहत श्री सिंह को अपनी सेवानिवृत्ति तक छुट्टी पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। श्री मिश्रा, जो अभी भी PFS के गैर–कार्यकारी अध्यक्ष और च्ज्ब प्दकपं के ब्डक के रूप में भूमिका निभा रहे हैं, को अब इन पदों से भी हटना होगा। सेबी की कार्रवाई का उद्देश्य एक मजबूत संदेश देना है कि कॉर्पोरेट नेताओं को नियमों के अनुसार काम करना चाहिए। इन दो वरिष्ठ अधिकारियों को जवाबदेह ठहराकर, सेबी यह बता रहा है कि शासन में चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नियामक निवेशकों की सुरक्षा और वित्तीय बाजारों में विश्वास बनाए रखने के लिए काम कर रहा है। कॉर्पोरेट भारत में पारदर्शिता और अखंडता सुनिश्चित करने के लिए यह एक आवश्यक कदम है, जिससे सभी के लिए एक स्वस्थ कारोबारी माहौल को बढ़ावा मिलता है। बाबूओं की उपलब्धियाँ सोशल मीडिया पर छा जाती हैं क्या यह सिर्फ आपके स्तंभकार की बात है, या किसी और ने भी देखा है कि कैसे कुछ बाबू अब अपनी पदोन्नति और पैनल में शामिल होने की घोषणा करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा ले रहे हैं? उपलब्धियों का जश्न मनाना बहुत अच्छा है, लेकिन यह थोड़ा अप्रत्याशित लगता है। परंपरागत रूप से, आईएएस और अन्य सिविल सेवाओं में पदोन्नति और स्थानांतरण बहुत कम महत्वपूर्ण, लगभग नियमित होते थे। आप इनके बारे में समाचार पत्रों या आधिकारिक चैनलों के माध्यम से सुनते होंगे, लेकिन अब ऐसा लगता है कि कोई अधिकारी हर दूसरे दिन ट्विटर या लिंक्डइन पर जश्न मनाने वाला अपडेट पोस्ट कर रहा है। जो बात वाकई दिलचस्प (या अजीब) है, वह यह है कि इन घोषणाओं का अनुसरण करने वालों और शुभचिंतकों की ओर से बधाईयों की बाढ़ सी आ जाती है। ऐसा लगता है कि हर किसी के पास अचानक से अपना छोटा सा फैन क्लब है जो उन्हें उस चीज के लिए प्रोत्साहित करता है जिसे पहले एक सामान्य करियर प्रगति माना जाता था। शायद यह समय का संकेत है। सोशल मीडिया हर छोटी–छोटी जिंदगी की अपडेट को साझा करने का एक प्लेटफॉर्म बन गया है, तो पेशेवर मील के पत्थर भी क्यों नहीं? यह निश्चित रूप से अतीत से एक बदलाव है और शायद यह पारदर्शिता और जनता से जुड़ने के लिए भी अच्छा है। फिर भी, इतनी प्रक्रियात्मक चीज को सोशल मीडिया पर देखना थोड़ा अजीब लगता है। क्या हम आगे तबादलों के लिए हैशटैग देखना शुरू करने जा रहे हैं? जस्ट प्रमोटेड रुनेक्स्टपोस्टिंग। अंत में, अगर यह लोगों को खुश करता है और किसी को नुकसान नहीं पहुँचाता है, तो क्यों नहीं?

सनातन हिंदू संस्कृति का पूरे विश्व में फैलना

प्रह्लाद

यूरोप में हाल ही में सम्पन्न हुए चुनावों में दक्षिणपंथी कहे जाने वाले दलों की राजनैतिक ताकत बढ़ी है। हालांकि सत्ता अभी भी वामपंथी एवं

मध्यमार्गीय नीतियों का पालन करने वाले दलों की ही बने रहने की सम्भावना है परंतु विशेष रूप से फ्रांस एवं जर्मनी में इन दलों को भारी नुक्सान हुआ है। इटली की देशप्रेम से ओतप्रोत दल की मुखिया जोरजीया मेलोनी को अच्छी सफलता हासिल हुई है। कुल मिलाकर यूरोपीय देशों के नागरिकों में देशप्रेम का भाव धीमे धीमे लौट रहा है एवं वे अब अपने अपने देश में अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों का विरोध करने लगे हैं। विशेष रूप से यूरोप के आस पास के मुस्लिम बहुल देशों से भारी संख्या में मुस्लिम नागरिक अवैध ा रूप से इन देशों में शरण लिए हुए हैं एवं वे अब इन देशों की कानून व्यवस्थ के लिए एक बहुत बड़ी समस्या बन गए हैं। जर्मनी एवं फ्रान्स ने मुस्लिम नागरिकों को मानवीय आधार पर अपने देश में बसाने में शिथिल नीतियों का पालन किया था और अब ये दोनों देश इस संदर्भ में विभिन्न समस्याओं का सबसे अधिक सामना कर रहे हैं। आज जब कई मुस्लिम देश शिया एवं सुन्नी सम्प्रदाय के नाम पर आपस में ही लड़ रहे हैं तो उनका ईसाई पंथ को मानने वाले नागरिकों के साथ सामंजस्य किस प्रकार रह सकता है, अतः यूरोपीयन देशों के नागरिकों को अब अपने किए पर पश्चाताप होने लगा है। ब्रिटेन में भी आज मुस्लिम समाज की आबादी बहुत बढ़ गई है एवं यहां का ईसाई समाज अपने आप को असुरक्षित महसूस करने लगा है क्योंकि मुस्लिम समाज द्वारा ईसाई समाज पर कई प्रकार के आक्रमण किया जाना आम बात हो गई है। ब्रिटेन के कई शहरों में तो मेयर आदि जैसे उच्च प्रशासनिक अधिकारियों के पदों पर भी मुस्लिम समाज के नागरिक ही चुने गए है अतः इन नगरों में सत्ता की चाबी ही अब मुस्लिम समाज के नागरिकों के हाथों में है, जिसे ईसाई समाज के नागरिक बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। इसी प्रकार, इजराईल (यहूदी समुदाय) एवं हम्मास (मुस्लिम समुदाय) के बीच युद्ध लम्बे समय से चल रहा है। ईरान (शिया समुदाय) – सऊदी अरब (सुन्नी समुदाय) के आपस में रिश्ते अच्छे नहीं है। पाकिस्तान में तो अहमदिया समुदाय एवं बोहरा समुदाय को मुस्लिम ही नहीं माना जाता है एवं इनको गैर मुस्लिम मानकर इन पर सुन्नी समुदाय द्वारा खुलकर अत्याचार किए जाते हैं। कुल मिलाकर, मुस्लिम समाज न केवल अन्य समाज के नागरिकों (यहूदी, ईसाई, हिंदू आदि) के साथ लड़ता आया है बल्कि इस्लाम के विभिन्न फिर्कों के बीच भी इनकी आपसी लड़ाई होती रही है। इसके ठीक विपरीत, सनातन हिंदू संस्कृति का अनुपालन करते हुए कई भारतीय मूल के नागरिक भी अन्य देशों में रह रहे हैं एवं लम्बे समय से स्थानीय स्तर पर ईसाई समाज एवं अन्य धर्मों के अनुयायियों के साथ मिल जुलकर रहते आए हैं। इन देशों में भारतीय मूल के नागरिकों एवं स्थानीय स्तर पर अन्य धर्मों के अनुयायियों के बीच कभी भी बड़े स्तर पर आक्रोश उत्पन्न होता दिखाई नहीं दिया है, क्योंकि सनातन हिंदू संस्कृति में "वसुधैव कुटुम्बकम" एवं "सर्वे भवंतु सुखिनरू" का भाव हिंदू नागरिकों में बचपन से ही भरा जाता है। इसी प्रकार के भाव का संचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी पिछले 99 वर्षों से अपने स्वयंसेवकों में जगाता आया है। संघ चाहता है कि संसार में सद्गुणों का बोलबाला हो। 27 सितम्बर 1933 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक पूजनीय डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार, शस्त्र पूजा समारोह में अपने उदबोधन में कहते हैं कि ष्संघ एक हिंदू संगठन है। संसार के सभी धर्मों में हिंदू धर्म ही एकमात्र ऐसा धर्म है, जिसका मुख्य गुण सद्गुण है और जो श्आत्मवत् भूतेषुश (सभी प्राणियों में अपने को देखना) की भावना से सभी जीवों के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करना सिखाता है। यह धर्म संसार में व्याप्त हिंसा और अन्याय को स्वीकार नहीं करता। इसलिए स्वाभाविक है कि प्रत्येक हिंदू ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाना चाहता है। लेकिन केवल उपदेश देने से संसार का स्वभाव नहीं बदलेगा। जब संसार को लगेगा कि हिंदू समाज सुसंगठित और सशक्त हो गया है।

वन्यजीव अभयारण्यों के भीतर जल स्रोतों का निर्माण और रखरखाव जरूरी

जयसिंह

वैश्विक स्तर पर वर्ष 2023 तो सबसे गर्म वर्ष माना ही गया, मगर 2024 में स्थितियां और भी विकट लग रही हैं। भारतीय मौसम विभाग की पूर्व में दी गई चेतावनी सच साबित हो रही है और चरम हीटवेव या गर्म लहरों से भारत का अधिकांश हिस्सा झुलस रहा है। इस साल दिल्ली कुछ इलाकों में अधिकतम तापमान 50 डिग्री के पार पहुंच चुका है। राजस्थान में बीएसएफ के एक जवान द्वारा रेत में पापड़ तलने का वायरल वीडियो सारे देश ने देखा। सेंटर फॉर साइंस ऐंड एन्वॉयरनमेंट (सीएसई) के अनुमान के अनुसार, गर्मी से जून की शुरुआत तक देश में कम से कम 219 लोगों की मौत हो गई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के इस दौर में ये गर्म लहरें अब लंबी, तीव्र और लगातार होती जाएंगी। ये विकट परिस्थितियां वन्यजीवों तथा पादप प्रजातियों के लिए भी समान रूप से घातक हैं।भारत एक उष्णकटिबंधीय जलवायु क्षेत्र है, जहां जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। यह स्थिति निरंतर गहराएगी है। असहनीय गर्मी से मनुष्यों के साथ ही जीव–जंतुओं की मौतें भी बढ़ रही हैं। हिमालय से लेकर महासागर तक विभिन्न भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार विभिन्न प्रकार की जीव और पादप प्रजातियां रहती हैं। इनमें कुछ जीव और पादप ऐसे हैं, जो अत्यंत ठंडे या बर्फीले इलाके में रहते हैं, तो कुछ ऐसे भी हैं, जो गर्म इलाकों में जीवित रह सकते हैं। लेकिन गर्मी और ठंड के संतुलन की जो प्राकृतिक व्यवस्था है, उसमें गड़बड़ी या असंतुलन हो जाने से जीवधारियों के साथ ही पादपों का जीवन भी संकट में पड़ जाता है। गर्मी बेजुबान वन्यजीवों के लिए गंभीर संकट पैदा करती है। कई जानवर, विशेष रूप से वे, जो अत्यधिक गर्मी के अनुकूल नहीं हैं, अधिक गर्मी से पीड़ित होते हैं। अत्यधिक गर्मी से निर्जलीकरण और हाइपरथर्मिया जैसी समस्याओं से उनकी मृत्यु तक हो जाती है। वन्यजीव अक्सर गर्मी से बचने के लिए रात में अधिक सक्रिय हो जाते हैं, जिससे उनके भोजन और सहवास का पैटर्न बाधित हो सकता है। जल स्रोत सूखने से उनके लिए पानी की कमी होती है, जिस कारण जानवरों को पानी की तलाश में लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। इससे शिकार और मानव–वन्यजीव संघर्ष का खतरा बढ़ जाता है। उच्च तापमान और वर्षा की कमी से वनस्पति भी सूख जाती है, जिससे शाकाहारी जानवरों और उन पर निर्भर मांसाहारी जानवरों के लिए भोजन की उपलब्धता कम हो जाती है। जंगलों से बाहर बस्तियों में भीषण गर्मी से तोते, गौरैया, नीले कबूतर, खलिहान उल्लू, काली चील, पतंगे, भारतीय भेड़िया, सांप, छिपकली, नेवले, शाही, चूहा, सियार, सिवेट, बंदर और गिलहरी जैसे कई जीव प्रभावित होते हैं। गर्म तापमान परजीवी और रोगजनकों में भी वृद्धि करता है। लंबे समय तक गर्मी के तनाव से जानवरों की प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो जाती है, जिससे वे संक्रमण के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं। कुछ ऐसे जीव होते हैं, जिन पर गर्म लहरों का ज्यादा असर होता है। पक्षी विशेष रूप से शुष्क क्षेत्रों में गर्मी के गंभीर जोखिम का सामना करते हैं। उनमें निर्जलीकरण और गर्मी से थकावट आम है। उनके घोंसले ज्यादा गरम होने से चूजे मर सकते हैं। कई सरीसृप एक्टोथर्मिक होने के बावजूद, ज्यादा गरम हो सकते हैं और अगर उन्हें छाया नहीं मिलती, तो वे मर जाते हैं। हाथी और बाघ जैसे बड़े स्तनधारी भी आवास, भोजन और पानी की तलाश में मानव बस्तियों के करीब आ जाते हैं, जिससे मानव–जीव संघर्ष बढ़ जाता है। विभिन्न राष्ट्रीय उद्यानों और अभयारण्यों में भी वन्यजीवों को गंभीर कष्ट का सामना करना पड़ता है। मनुष्यों की तरह ही वन्यजीवों के संरक्षण के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी का उपयोग होना चाहिए। जरूरी है कि वन्यजीवों पर गर्मी के दीर्घकालिक प्रभावों को समझने और शमन रणनीतियों को विकसित करने के लिए विस्तृत अध्ययन और सर्वेक्षण किया जाए। स्थानीय समुदायों को चरम मौसमी घटनाओं के दौरान वन्यजीवों की मौतों की रिपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, ताकि एक व्यापक डाटाबेस बनाया जा सके। वन्यजीव अभयारण्यों के भीतर जल स्रोतों का निर्माण और रखरखाव जरूरी है। वन्यजीवों के पर्यावास के लिए पेड़ लगाना जरूरी है। अत्यधिक गर्मी के दौरान समय पर हस्तक्षेप के लिए वन्यजीव स्वास्थ्य एवं व्यवहार की निरंतर निगरानी होनी चाहिए।

मंत्रिमंडल में फोकस क्षेत्रों और राजनीतिक मजबूरियों की झलक

आदित्य

मोदी के नेतृत्व में राजग–3.0 सरकार काम पर लग गई है। जाहिर है, सौ दिनों का कार्यक्रम पर काम हो रहा है। ऐसे में, उन मुद्दों को समझना जरूरी है, जो चुनाव अभियानों के दौरान छाए रहे। कृषि, पानी, उद्योग, श्रम, कौशल और रोजगार से संबंधित चिंताओं पर ध्यान दिया जाना जरूरी है। यह विकास एवं समृद्धि के लिए प्रमुख मंत्रालयों की कार्यसूची पेश करने का अवसर प्रदान करता है। शिवराज सिंह चौहान (कृषि, कृषक कल्याण एवं ग्रामीण विकास)–कृषि क्षेत्र का संकट राजनीतिक संवादों एवं आर्थिक आंकड़ों में प्रतिध्वनित होता है। लगभग आधा यानी 45 फीसदी कार्यबल कृषि में लगा हुआ है और राष्ट्रीय आय के छठे हिस्से पर निर्भर है। यह आंकड़ा गरीबी का केंद्रीय पहलू है। निजी क्षेत्र का सबसे बड़ा उद्यम होने के बावजूद उद्योग के विपरीत कृषि में आगत और निर्गत के संबंधों का अभाव है, जो पुनः कृषि कानूनों (जिन्हें वापस ले लिया गया था) को लाने की आवश्यकता पर बल देता है, ताकि नवाचार को अपनाया जा सके और किसान उत्पादक संगठनों एवं सहकारी समितियों के जरिये ऋण, भंडारण एवं बाजारों तक पहुंच को सक्षम बनाया जा सके। ग्रामीण विकास एवं कृषि को एक साथ लाने से लक्ष्यों में तालमेल बिठाया जा सकता है। हालांकि जरूरी सुधार पूरी तरह से राज्यों के अधिकार क्षेत्र में है। यही बात चार बार के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ राजनेता के रूप में चौहान के चयन को महत्वपूर्ण बनाती है, जो राज्यों के साथ सहयोग करने और खेती के मुद्दों को आगे बढ़ाने में सक्षम हैं। चिराग पासवान (खाद्य प्रसंस्करण)–चौहान को युवा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान का भी मार्गदर्शन करना होगा। राजनीतिक अर्थव्यवस्था के आंकड़ों में उच्च मुद्रास्फीति का दर्द सुना जा सकता है। आठ फीसदी से अधिक खाद्य मुद्रास्फीति निजी उपभोग एवं कॉरपोरेट राजस्व पर जीडीपी के आंकड़ों में दिखाई देती है। इसका कारण असमान उत्पादन और भंडारण व प्रसंस्करण क्षमता का अभाव है। भारत को किराये पर भंडारण के लिए एक ढांचा तैयार करने की जरूरत है, जहां किसान अपनी उपज को इच्छानुसार बेचने या ऋण के लिए गिरवी रख सकें। भारत को 'एक जिला, एक उत्पाद' का लाभ उठाने तथा मूल्य संवर्धन और रोजगार बढ़ाने के लिए प्रसंस्करण क्षमता के विस्तार की खातिर राज्यों में विधायी मार्ग को स्पष्ट करने की भी जरूरत है। सीआर पाटिल (जल शक्ति)–भारत में जल संकट पर लंबे समय से ध्यान नहीं दिया गया है और यह कई जटिल बाध्यताओं से घिरा हुआ है। भंडारण, उपलब्धता, गुणवत्ता और पहुंच के मुद्दों के कारण महत्वाकांक्षी श्हर घर जलश कार्यक्रम भी आलोचनाओं के निशाने पर है। घटते भूजल स्तर और टैंकर आपूर्ति वाले शहरी भारत के आंकड़ों में इसे स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है, जो 100 से अधिक लोकसभा क्षेत्रों में फैला है। भारत का हर प्रमुख महानगर 50 से लेकर 100 किलोमीटर से अधिक दूरी से पेयजल प्राप्त करता है। ऐसे में, एक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है। पानी के खारेपन को दूर करने तथा रीसाइक्लिंग के लिए संयंत्र लगाना तत्काल जरूरी है। इसके लिए काफी धन की जरूरत होगी तथा पब्लिक–प्राइवेट मॉडल की आवश्यकता होगी। भारत के पास सॉवरेन और पेंशन फंड से धन जुटाने का अवसर है। एक टेक्नोक्रेट–राजनीतिक होने के नाते पाटिल के पास विरासत को संभालने का मौका है। मनसुख मंडाविया (श्रम, रोजगार एवं युवा मामले) और जयंत चौधरी (कौशल विकास)– बेरोजगारी और रोजगार सृजन का मुद्दा पूरे चुनाव के दौरान गूंजता रहा। रोजगार सृजन और उपलब्ध कौशल में काफी अंतरालष्है। भारत को एक ऐसी श्रम नीति की जरूरत है, जो नीतियों को बाजार की जरूरतों के साथ जोड़ सके। बेशक हमारे पास कौशल विकास कार्यक्रम है, लेकिन जैसा कि संसद की स्थायी समिति ने रेखांकित किया, कुशल लोगों को प्लेसमेंट के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। सबसे पहले शैक्षणिक उपलब्धियों की मैपिंग, युवा कार्यबल के कौशल को प्रमाणित करने के लिए ढांचा, उद्योग की जरूरतों के हिसाब से पाठ्यक्रमों को पुनः तैयार करने और कंपनियों को कर्मचारियों को कुशल बनाने एवं फिर से कौशल प्रदान करने के लिए कार्यक्रमों को शुरू करने के लिए प्रेरित करने की जरूरत है। सरकार को ग्लोबल स्किल गैप स्टडी द्वारा उजागर किए गए अवसरों का लाभ उठाना चाहिए। मंडाविया एवं चौधरी को अकाउंट एग्रीगेटर और ओएनडीसी पहलों में भी तेजी लानी होगी, ताकि रोजगार पैदा करने वाले स्टार्ट–अप्स को ऋण और बाजार तक पहुंच मिल सके। पीयूष गोयल (वाणिज्य एवं उद्योग)– बदलती भू–राजनीति, खास तौर पर अमेरिका और चीन के बीच तनाव ने वैश्विक कंपनियों को जस्ट–इन–टाइम (जरूरत पड़ने पर ही आपूर्तिकर्ताओं से सामान मंगाना) से जस्ट– इन– केस (किसी उत्पाद के स्टॉक से ज्यादा बिकने की संभावना

को कम करना) बिजनेस मॉडल अपनाने के लिए प्रेरित किया है। भारत वैश्विक विनिर्माण में अपनी मौजूदगी बढ़ाने के वैश्विक अवसर के चौराहे पर खड़ा है। मई में पीडब्ल्यूसी द्वारा प्रकाशित एक सर्वेक्षण के मुताबिक, भारत वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं में अमेरिका और चीन के बाद, तीसरी सबसे अहम कड़ी के रूप में उभर रहा है, विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्यूटिकल्स और चिकित्सा उपकरणों के क्षेत्र में। हां, उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना कुछ क्षेत्रों में फायदा पहुंचा रही है, लेकिन और काम करने की जरूरत है। सुधारों के अधूरे एजेंडे का बोझ राज्यों पर है और यहां नीति आयोग सर्वोत्तम प्रथाओं की एक ब्लू बुक बनाकर बदलाव ला सकता है। भारत को नई श्रम संहिताओं को अपनाने में तेजी लानी होगी। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की अधिशेष भूमि का लाभ उठाकर निवेश करने वाली कंपनियों के लिए जगह बनानी होगी और नियामकीय बाधाओं को दूर करना होगा। भारत को निवेश आकर्षित करने और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए और अधिक औद्योगिक समूहों की आवश्यकता है, विशेष रूप से पूर्वी तट और उत्तर के संसाधन संपन्न राज्यों में। मंत्रिमंडल में मंत्रियों के चयन से व्यक्तित्व के साथ फोकस क्षेत्रों के दिलचस्प जुड़ाव, राजनीतिक मजबूरियों और आर्थिक अनिवार्यताओं का पता चलता है। यह देखना अभी बाकी है कि इस पूरे बदलाव से वादे के मुताबिक नतीजे मिलते हैं या नहीं।

दोनों ही अपने तीसरे कार्यकाल में सबसे कम वोटों से जीते

अजय

अठारहवीं लोकसभा के लिए हाल में हुए चुनाव नतीजों का एक बड़ा निहितार्थ यह बताया जा रहा है कि देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के बाद नरेन्द्र मोदी ही देश के ऐसे दूसरे प्रधानमंत्री हैं, जो अपनी पार्टी भाजपा न सही पर चुनाव पूर्व गठबंधन एनडीए को लगातार तीसरी बार सत्ता पर काबिज कराने में कामयाब रहे हैं। इधर खुद मोदी भी सतत् तीसरी बार निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में पीएम पद की शपथ लेकर सरकार बनाने में सफल हुए हैं। यानी कि देश में आजादी के बाद के 75 सालों में ऐसा राजनीतिक चमत्कार दूसरी बार हुआ है, जब किसी एक राजनेता को जनता ने तीसरी बार पीएम बनने का आदेश दिया हो। यकीनन भाजपा के रूप में एक गैर कांग्रेसी सरकार की यह बड़ी उपलब्धि है, लेकिन यही एकमात्र सत्य नहीं है। कुछ अतिउत्साही और ऐतिहासिक तथ्यों से अंजान न्यूज चौनलों ने तो मोदी के तीसरी बार शपथ ग्रहण को नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ना भी बता दिया। अगर अतीत के राजनीतिक घटनाक्रमों का सांख्यिकीय विश्लेषण करें तो बात बहुत साफ हो जाएगी कि जिसे असाधारण उपलब्धि माना जा रहा है, वह वास्तव में कितनी बड़ी और अतुलनीय है।

इतिहास के गलियारों से झांकता राजनीतिक अतीत

दरअसल, हम अलग–अलग मानकों पर इतिहास को जांचने की शुरुआत करें और शपथ लेने के आंकड़ों को आधार मानें तो इस मामले में पंडित जवाहरलाल सबसे आगे हैं। नेहरू ने प्रधानमंत्री पद की शपथ सतत् चार बार ली। 1947 में मनोनीत पीएम के रूप में तथा 1052,1957 और 1962 में निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में। बतौर पीएम उनका कुल कार्यकाल 17 साल का होता है, जिसे तोड़ना किसी के लिए भी असंभव नहीं तो बेहद कठिन जरूर है। खासकर तब कि जब इस देश में हर एक– दो दशकों में राजनीति की दिशा, मुद्दे और तकाजे बदलते रहे हैं। पंडित नेहरू भी यह रिकॉर्ड इसलिए बना पाए थे, क्योंकि तब देश में गैर कांग्रेसी विपक्ष अपनी स्पेस तलाश रहा था। जनता भी सपनों के भारत में खोई थी। वास्तविक विसंगतियां धीरे–धीरे सिर उठाने लगी थीं। यह भी सही है कि कुछ ऐतिहासिक गलतियों के बावजूद नेहरू के कार्यकाल में देश के लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने के बुनियादी काम हुए। यह बात अलग है कि उस जमाने में नेहरू के कटु आलोचक रहे वामपंथी और समाजवादियों के राजनीतिक वंशज आज नेहरू के उसी 'आइडिया ऑफ इंडिया' को सही ठहराने में ताकत लगाए हुए हैं। बेशक मोदी ने नेहरू उस रिकॉर्ड की बराबरी तो कर ली है, जिसमें नेहरू ने 1952 से लेकर 1962 तक तीन बार निर्वाचित पीएम के रूप में शपथ ली थी। इसके विपरीत यह तथ्य भी गौरतलब है कि नेहरू के नेतृत्व में तीनों आम चुनावों में कांग्रेस स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में आई थी। जबकि मोदी भाजपा के खाते में यह उपलब्धि केवल दो बार यानी 2014 और 2019 में ही दर्ज करा पाएं हैं। तीसरी बार उन्हे गठबंधन सरकार की अगुवाई करनी पड़ रही है। अलबत्ता नेहरू और मोदी में एक समानता और है। नेहरू अपने अंतिम लोस चुनाव 1962 में फूलपुर सीट पहले के चुनावों की तुलना में सबसे कम मतों के अंतर (मात्र 64 हजार 571) से जीते थे, जो उनकी घटती लोकप्रियता का प्रमाण था।(हालांकि प्रतिशत में यह 61.62 होता है, जो मोदी के इस चुनाव के वोट प्रतिशत 54रू24 से काफी ज्यादा है)। इसके पहले के दोनो लोकसभा चुनाव नेहरू ने 1 लाख से अधिक मतों के अंतर से जीते थे। नेहरू की कमजोर जीत का कारण उनके खिलाफ नेहरू के प्रखर आलोचक और दिग्गज समाजवादी नेता डॉ. राम मनोहर लोहिया का चुनाव लड़ना था। इधर मोदी जी भी अपने तीसरे चुनाव में वाराणसी सीट से महज 1 लाख 52 हजार 513 वोटों से जीते हैं। इस कम अंतर के पीछे मोदी समर्थकों का तर्क है कि इस बार चुनाव में कांग्रेस और सपा के वोट मिल जाने से ऐसा हुआ। लेकिन यह सत्यांश ही है। जाहिर है कि मोदी यदि चौथी बार भी वाराणसी सीट से चुनाव लड़े तो उन्हे बहुत मेहनत करनी होगी। यदि पीएम पद की सतत् तीन बार शपथ के बेंचमार्क को अलग रखें तो इस देश में चार प्रधानमंत्री ऐसे हुए हैं, जिन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में तीन बार शपथ ली है। नेहरू और मोदी के अलावा ये हैं– श्रीमती इंदिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी। इंदिराजी और अटलजी ने दो बार लगातार कार्यकाल में पीएम पद की शपथ ली। लेकिन बीच में एक बार उन्हें विपक्ष में भी बैठना पड़ा। इंदिराजी 1967,1971 व 1980 में पीएम बनीं तो अटलजी ने 1996, 1998 व 1999 में पीएम पद की शपथ ली। वैसे तथ्य यह भी है कि लगातार तीसरी बार पीएम बनने वाला कोई राजनेता या तो अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाया या फिर उसके बाद सत्ता में नहीं लौट सका। पंडित नेहरू के तीसरी बार निर्वाचित पीएम बनने के बाद उन्हें चीन से भारी धोखा मिला। समूचे देश में उन्हें अपनी चीन के साथ युद्ध में भारतीय सेना की करारी हार और चीन द्वारा कश्मीर व लद्दाख के 42 हजार 735 वर्ग किमी पर अवैध कब्जे के कारण पूरे देश में कटु आलोचना का सामना करना पड़ा। इस सदमे से नेहरू उबर नहीं पाए और बीमार रहने लगे। पीएम बनने के सवा दो साल बाद उनका निधन हो गया। उनके जीते जी 'नेहरू के बाद कौन?' सवाल पूछा जाने लगा था। इसी तरह श्रीमती इंदिरा गांधी भी अपना तीसरा कार्यकाल पूरा नहीं कर पाई। कई साहसिक फैसलों के बाद भी पंजाब में ऑपरेशन ब्लू स्टार उनकी जान का दुश्मन बन गया और तीसरा कार्यकाल पूर्ण होने के तीन माह पहले ही उनकी निर्मम हत्या हो गई। उधर अटलजी ने बतौर पीएम अपना तीसरा कार्यकाल खुद ही छह माह पहले चुनाव कराकर खत्म करने की राजनीतिक भूल की और तमाम उदार छवि के बाद भी नए बने कांग्रेसनीत यूपीए गठबंधन से चुनाव हारकर सत्ता से बाहर हो गए।

मोदी का अगला कार्यकाल

मोदी चौथी बार पीएम बनेंगे या नहीं, यह अमित शाह के अलावा दावे के साथ कोई भी नहीं कह सकता। लेकिन सवाल उनके तीसरा कार्यकाल पूर्ण करने पर भी है। भविष्य का घटनाक्रम केवल नियति जानती है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी बार– बार यह कहकर दबाव बना रहे हैं कि यह अल्पमत सरकार है, कभी भी गिर जाएगी। खाम ख्याली भी हो सकती है, लेकिन असली सवाल मोदी सरकार की राजनीतिक दिशा और दशा का है।

'सप्ताह 1 की सफलता का जश्न मनाएं – 23 जून को आम महोत्सव में शामिल हों'

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। पहले सप्ताह की जबरदस्त सफलता के बाद, लखनऊ फार्मर्स मार्केट सभी को आम महोत्सव के उत्सव को जारी रखने के लिए 23 जून को विंटेज विलेज, सीतापुर में आमंत्रित करता है। यह कार्यक्रम अब्बास जाफरी द्वारा होस्ट किया जाएगा। उद्घाटन सप्ताह में शानदार भागीदारी देखी गई, जहां आगंतुकों ने विभिन्न आम–थीम वाली गतिविधियों, स्वादिष्ट व्यंजनों और जीवंत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद लिया।

आम महोत्सव हमारे इस उष्णकटिबंधीय फल के प्रति प्रेम और इससे जुड़ी समृद्ध परंपराओं का उत्सव है। प्रतिभागी विभिन्न प्रकार के स्थानीय रूप से उगाए गए आमों का स्वाद चख सकते हैं, जिनमें प्रत्येक का अद्वितीय स्वाद और सुगंध होता है, और एक शानदार ब्रंच का आनंद ले सकते हैं। फार्मर्स मार्केट में स्थानीय किसानों से मिलें और ताजे उत्पाद सीधे उनसे खरीदें।

रोमांचक गतिविधियों में ट्री हाउस एडवेंचर्स जैसे तीरंदाजी, मछली पकड़ना और मिट्टी के बर्तन बनाना शामिल हैं। मजेदार प्रतियोगिताओं और खेलों में भाग लें और रोमांचक पुरस्कार जीतें, जिसमें आम खाने की प्रतियोगिता और क्विज मेनिया शामिल हैं। गन्ने का रस निकालना, मछली पकड़ना, कयाकिंग और पारंपरिक कलाबाजी जैसी स्थानीय विशिष्टताओं का अनुभव करें।

खाने के शौकीनों के लिए, ताजे गन्ने का रस, पारंपरिक ब्रंच और आम खाने की प्रतियोगिताएं होंगी। साहसिक उत्साही बुलॉक कार्ट की सवारी, तीरंदाजी, कलाबाजी और कयाकिंग का आनंद ले सकते हैं। मजेदार गतिविधियों में गाँव की सैर, खेल प्रतियोगिता जैसे रस्साकशी, मिट्टी के बर्तन बनाना, तैराकी, कठपुतली शो, कहानी सुनाना और खजाना खोज शामिल हैं।

जो लोग अग्रिम बुकिंग करेंगे, उनके लिए हबीबुल्लाह एस्टेट से सुबह 5रू30 बजे एसी बस और 6 बजे नॉन–एसी बस उपलब्ध होगी।

यह पारिवारिक अनुकूल कार्यक्रम सभी आयु वर्ग के लिए एक आनंददायक अनुभव होने का वादा करता है। चाहे आप आम प्रेमी हों या बस एक मनोरंजक दिन बिताना चाहते हों, आम महोत्सव सभी के लिए कुछ न कुछ लेकर आता है।

'कार्यक्रम विवरण'

– 'तारीख' 23 जून

– 'समय' सुबह 7 बजे से 11 बजे तक

– 'स्थान' विंटेज विलेज, सीतापुर

राजाओं के फल का शाही अंदाज में जश्न मनाने का मौका न चूकें! अधिक जानकारी के लिए कृपया अनन्या मेहरोत्रा से 91 6387 222 821 या ज्योत्सना कौर हबीबुल्लाह से 9005575999 पर संपर्क करें।

हमें आपसे मिलने की आशा है।

अयोध्या में 2 मंत्रियों के सामने डीएम व पुजारी राजूदास के बीच हाटटाक

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। राम नगरी में भाजपा की हार सुर्खियों में है। अब हनुमानगढ़ी के पुजारी राजू दास की दो मंत्रियों के सामने डीएम अयोध्या से हॉट–टॉक हो गई।हालात ऐसे बन कि डीएम अयोध्या नीतीश कुमार ने राजू दास की सुरक्षा में तैनात गनर को वापस ले लिया।बताते चलें कि गुरुवार रात 11 बजे सरयू अतिथि भवन में हार की समीक्षा बैठक के दौरान विधायक, मेयर और भाजपा के पदाधिकारी मौजूद थे।योगी कैबिनेट के मंत्री सूर्य प्रताप शाही और जयवीर सिंह भी वहां मौजूद थे।उसी समय अपना फीडबैक देने पुजारी राजू दास भी वहां पहुंचे।इस मौके पर डीएम नीतीश कुमार और एसएसपी राजकरन नैय्यर भी मौजूद थे। यह दोनों अधिकारी पुजारी राजू दास की ओर वीडियो जारी कर भ्रष्टाचार का आरोप लगाने से पहले से खफा थे।राजू दास ने फैजाबाद सीट पर भाजपा की हार की वजह इन अफसरों की लापरवाही बता दी। सूत्रों के मुताबिक, सीधे डीएम को टारगेट करके वह बोले।इस पर डीएम नितिश कुमार नाराज हो गए। इसके बाद पुजारी से उनकी बहस हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक उन्होंने राजूदास के पास बैठने से इनकार कर दिया।इसके ठीक बाद राजूदास के पास मौजूद एकमात्र गनर को वहीं से वापस बुला लिया गया।राजू दास को बिना गनर रात में हनुमानगढ़ी लौटना पड़ा।इस मौके पर मौजूद पुजारी राजू दास ने बताया– पहले उनके बाद कुल 3 गनर थे। 2 गनर को चुनाव के बाद हटा लिया गया था।एक बचा हुआ गनर हॉट–टॉक के बाद हटा लिया गया।

डीजे पर डांस को लेकर भिड़े घराती-बराती, पुलिस की मौजूदगी में संपन्न हुआ विवाह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के बेलावा गांव में शुक्रवार रात आई बारात मे डीजे पर डांस करने को लेकर घराती–बराती आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों में हुई मारपीट के दौरान लगभग एक दर्जन लोग जख्मी हुए हैं। सभी घायलों का इलाज बदलापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया। वहीं पुलिस की मौजूदगी में विवाह की रस्म पूरा हुआ।

सराय ख्वाजा थाना क्षेत्र के सैदपुर गडउर गांव निवासी फूलचंद चौहान की बारात शुक्रवार रात बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के बेलावा गांव निवासी राम आशीष चौहान के घर आई थी। देर रात करीब दस बजे जब बरात गांव पहुंची तो स्वागत सत्कार के बाद बराती डीजे की धुन पर नाचते हुए द्वारचार के लिए दुलहन के घर जा रहे थे। आरोप है कि डांस करने के दौरान घराती पक्ष के कुछ लोगों द्वारा नर्तकी के साथ दुर्व्यवहार करना शुरू कर दिया। जिसको लेकर घराती–बराती में कहा सुनी हो गई। दोनों पक्षों के संभ्रांत लोगों द्वारा बीच बचाव के बाद मामला किसी तरह शांत हुआ। इसके बाद द्वारचार का रस्म पूरा हुआ और भोजन करके अधिकतर बाराती अपने घर वापस लौट गए। केवल कुछ ही बाराती रुके हुए थे। आरोप है कि एक बाराती पर घराती पक्ष के कुछ लोगों द्वारा पंच से हमला कर दिया गया। जिसके बाद घराती–बराती में जमकर मारपीट हो गई। जिसमे छविनाथ 45 वर्ष,लवकुश 20 वर्ष , दिनेश 35 वर्ष राजकरण 35 वर्ष, मिर्जा चौहान 45 वर्ष रमेश 19 वर्ष रजत ठाकुर 14 वर्ष आदि घायल हो गए। सूचना पर डायल 112 पुलिस पहुंच गई। पुलिस की मौजूदगी में वर वधू ने सात फेरे लिए। शनिवार सुबह सकुशल विवाह संपन्न होने पर दुल्हन की विदाई हुई।इस मामले में थानाध्यक्ष रोहित मिश्रा ने बताया कि अभी को प्रार्थना पत्र नही मिला है तहरीर मिलने पर जांच कर विधिक कार्रवाई की जाएगी। सभी को मामूली चोटें आई थी सभी अपने घर चले गए हैं।

मरम्मत के कारण अब नहरों में 23 जून से आएगा पानी

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। इस साल नहरों में पानी आने में विलंब हुआ। इसके कारण किसानी प्रभावित हुई। अब 23 जून से नहरों में पानी आने की उम्मीद है। जिले में 107 नहरों की शाखाएं है। इनमें 77 अद्द नहर जिले में और बाराबंकी प्रखंड शारदा के तहत 30 नहरे कुल हैं। फैजाबाद शाखा व सुल्तानपुर शाखा में जल का संचालन इंदिरा कैनाल फीडर से निकलने वाली दरियाबाद शाखा से किया जाता है। रोस्टर के अनुसार 14 मई से से 17 जून तक परियोजना संबंधी कार्य व छोटे–मोटे मरम्मत कार्य इसी के मध्य कराए जाते है। अधिशासी अभियन्ता सिंचाई खंड के मुताबिक इस समय फैजाबाद शाखा के 81.230 किमी पर क्रॉस रेगुलेटर निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इसके कारण रोस्टर के अनुसार फैजाबाद शाखा में जल का संचालन कराने में विलंब हुआ। इस खंड से अयोध्या की 77 और अंबेडकर नगर की 49 नहरों में जल का संचालन कराया जाता है। बताया कि 23 जून से फैजाबाद शाखा में जल का संचालन किया जाना प्रस्तावित है। जल उपलब्धता के अनुसार कृषकों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

पुलिस ने चलाया चेकिंग अभियान 150 गाड़ियों का हुआ चालान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलें में लाल नीली बत्ती व अवैध हुटरों के विरुद्ध पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा के निर्देश पर अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार रात अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेन्द्र सिंह व सीओ सिटी देवेश कुमार की देखरेख में थाना प्रभारी जफराबाद ,थाना प्रभारी जलालपुर, ट्रैफिक इंचार्ज जीडी शुक्ला, परिवहन विभाग की टीम के साथ सिरकोनी के हौज टोलप्लाजा पर चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान 150 गाड़ियों के चालान ,80 गाड़ियों से प्रेशर हॉर्न व हूटर और 65 गाड़ियों से काली फिल्म उतारे गए और गाड़ियों का चालान काटा गया। इस मामले में शनिवार को जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेंद्र सिंह ने बताया कि शासन के आदेश पर आज हौज टोल प्लाजा पर एक बड़ा अभियान चलाया गया है। इसमें वीआईपी कल्चर को खत्म करने के लिए , गाड़ियों पर प्रेशर हॉर्न, हूटर,सायरन, काली फिल्म जो अनधिकृत रूप से उनको हटवाने व गाड़ियों का चालान कराने के लिए ये बड़ा अभियान चलाया गया है। इसके तहत 150 गाड़ियों में से 80 गाड़ियों का काली फिल्म व 65 गाड़ियों का हूटर व प्रेशर हॉर्न निकाल कर नियमानुसार चालान किया गया। उनके हिदायत दी गयी कि वीआईपी कल्चर किसी भी कीमत पर बर्दाश नही किया जाएगा। डट एक्ट के अंदर जो मानक है। उनका पालन करना पड़ेगा। निर्धारित मानक के रूप में हॉर्न का प्रयोग किया जाये। कोई भी मोडिफाइड ,डिवाइस, न लगावइ जाएं। और कोई भी ऐसी चीज न कि जाएं जो डट एक्ट के नियमों का उलंघन हो। अगर ऐसा करते हुए पाया जाएगा। तो उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही होगीं।

विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू ने नवचयनित आचार्य प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन किया

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। हरदोई जनपद के अल्लीपुर गांव में आयोजित विद्याभारती द्वारा आयोजित नवचयनित आचार्य प्रशिक्षण वर्ग शुक्रवार की शाम से आरम्भ हो गया। जिसमे शनिवार को अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री यतीन्द्र कुमार शर्मा एवं सवायजपुर विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू ने नवचयनित आचार्य प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन किया। प्रातःकालीन उदघाटन सत्र में आये हुए अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री यतीन्द्र कुमार शर्मा, सवायजपुर विधानसभा से विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू, जन शिक्षा परिषद हरदोई के जिलामंत्री व विद्याभारती उच्च शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष शीर्षेन्दुशील त्रिवेदी (विपिन), सह मंत्री जन शिक्षा समिति अवध प्रदेश कौशल किशोर वर्मा, जन शिक्षा समिति अवध प्रदेश के प्रदेश निरीक्षक मिथिलेश कुमार अवस्थी को आचार्य बहनों के द्वारा तिलक वंदना व वैच लगाकर स्वागत किया उसके उपरांत आये हुए अतिथियों ने मां सरस्वती के पावन चरणों में दीप प्रज्ज्वलित एवं पुष्पार्चन किया गया। उसके वाद परिचय व स्वागत सम्मान का कार्यक्रम हुआ। सर्वप्रथम अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री यतीन्द्र कुमार शर्मा, सवायजपुर विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू व जन शिक्षा समिति अवध प्रदेश के प्रदेश निरीक्षक मिथिलेश कुमार अवस्थी का स्वागत जन शिक्षा परिषद हरदोई के जिलामंत्री व विद्याभारती उच्च शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष शीर्षेन्दुशील त्रिवेदी (विपिन) के द्वारा श्रीफल चित्र अंगवस्त्र आदि देकर किया गया। तथा सह मंत्री जन शिक्षा समिति अवध प्रदेश कौशल किशोर वर्मा का स्वागत संभाग निरीक्षक लखनऊ श्याममनोहर शुक्ल के द्वारा किया गया। उसके जन शिक्षा परिषद हरदोई के जिलामंत्री व विद्याभारती उच्च शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष शीर्षेन्दुशील त्रिवेदी (विपिन) का स्वागत सह जिला प्रमुख रामशंकर शुक्ल के द्वारा किया गया । इस मौके पर संभाग निरीक्षक मिथिलेश कुमार सिंह, कैलाश चंद्र वर्मा, रणवीर सिंह तथा नवचयनित प्रशिक्षार्थी एवं व्यवस्था के आचार्य व प्रधानचार्य मौजूद रहे।

गोंडा स्टेशन पर अवैध वेंडरिंग व अधोमानक पानी के खिलाफ सघन जांच अभियान चलाया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। मंडल रेल प्रबंधक के आदेश तथा वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक के निर्देशानुसार एवं क्षेत्रीय प्रबंधक गोंडा के नेतृत्व में आज दिनांक 22/06/2024 को प्लेटफार्म निरिक्षक के. एल. यादव एवं उनके टीम द्वारा गोंडा स्टेशन पर अवैध वेंडरिंग व अधोमानक पानी के खिलाफ सघन जांच अभियान चलाया गया जिसमें 132 अधोमानक पानी की बोतल (फाइव स्टार) पकड़कर एलपीओ कार्यालय में जमा कराया गया तथा अनाधिकृत वेंडरों से रू2000/– रेल राजस्व में जमा कराया गया।

हीटवेव (लू) को देखते हुए इलाज की समुचित व्यवस्था के लिए ओआरएस एवं आईवी फ्ल्यूड का पर्याप्त स्टाक उपलब्ध करा दिया गया है – डाक्टर एस एस रजा

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। नगरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंदरनगर आलमबाग के चिकित्सा अधीक्षक एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर एस एस रजा ने बताया कि हीटवेव (लू) को देखते हुए इलाज की समुचित व्यवस्था के लिए ओआरएस एवं आईवी फ्ल्यूड का पर्याप्त स्टाक उपलब्ध करा दिया गया है। स्वास्थ्य केंद्रों पर आवश्यक दवाओं की आपूर्ति भी करा दी गई है ताकि किसी भी स्थिति से निपटा जा सके। नगरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंदरनगर आलमबाग के चिकित्सा अधीक्षक एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर एस एस रजा ने बताया कि लू के कारण अभी तक कोई अप्रिय सूचना नहीं है। पिछले दिनों में तापमान बढ़ा है। ऐसे में लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए, स्वास्थ्य विभाग ने हीटवेव (लू) के प्रति अलर्ट जारी कर दिया है। डाक्टरों ने लोगों से इस मौसम में बचाव करने की अपील की है। नगरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंदरनगर आलमबाग के चिकित्सा अधीक्षक एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर एस एस रजा ने कहा कि इस मौसम में होने वाली बीमारियों से बचाव व नियंत्रण के आवश्यक उपाय स्वास्थ्य विभाग द्वारा किये जा रहे हैं। साथ ही समस्त स्टाफ को सक्रिय रहने व विपरीत परिस्थितियों में तत्काल राहत देने के लिए प्रशिक्षित भी किया गया है। स्थिति से निपटने के लिए रैपिड रिस्पांस टीम का भी गठन कर दिया गया है। जून माह में हीटवेव (लू) का असर रहता है। इससे संबंधित एडवाइजरी जारी की गयी है। लोगों को भी अलर्ट कर दिया गया है। इस मौसम में होने वाली बीमारियों से बचाव व नियंत्रण के आवश्यक उपाय स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए जा रहे हैं। इसके लिए समस्त स्टाफ को प्रशिक्षित किया गया। इलाज

की समुचित व्यवस्था के लिए ओआरएस एवं आईवी फ्ल्यूड का पर्याप्त स्टाक उपलब्ध करा दिया गया है। स्वास्थ्य केंद्र पर आवश्यक दवाओं की आपूर्ति भी करा दी गई है, ताकि किसी भी स्थिति से निपटा जा सके। प्रतिदिन स्वास्थ्य केंद्र से हीटवेव (लू) की रिपोर्ट संकलित कर शासन को प्रेषित की जाती है। साथ ही अधिकारियों और कर्मचारियों का जल जनित बीमारी, निजी स्वच्छता और सफाई के प्रति संवेदीकरण किया गया है। । हीटवेव (लू) के कारण शरीर की कार्यप्रणाली प्रभावित हो जाती है जिससे जटिलताएं भी बढ़ सकती है। उन्होंने बताया कि इस वक्त धूप में जरूरत होने पर ही निकलें। जब भी धूप में घर से बाहर निकले तो पानी पीकर और शरीर को पूरा ढकने वाले कपड़े पहन कर निकले। इसके साथ ही धूप में छाते का उपयोग करें। इस वक्त तरल पदार्थों का सेवन करते रहें। तबीयत खराब होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर संपर्क करें।

ऐसे करें बचाव

अधिक से अधिक पानी पिएं पसीना सूखने वाली व हल्के रंग के वस्त्र पहने धूप में निकलते समय चश्मे, छाते व चप्पलों का प्रयोग करें। खुले में कार्य करते हैं तो चेहरा, हाथ पैरों को गीले कपड़े से ढक कर रखें और यदि संभव हो तो छाते का प्रयोग करें। दोपहर में 11 से तीन बजे के मध्य धूप में निकलने से बचें। घर में बने पेय पदार्थ लस्सी, नींबू पानी, छाछ इत्यादि का प्रयोग करें। पेट में मरोड़, घमौरियां, शरीर में कमजोरी, आना चक्कर आना, सिर में तेज दर्द, उबकाई आना जैसे लक्षण सामने आए तो स्वास्थ्य केंद्र पर चिकित्सकीय सलाह लें।

सांसद डा. एस.पी.सिंह ने मेधावियों को किया सम्मानित

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। लखनऊ पब्लिक स्कूल्स एण्ड कॉलेजेज के संस्थापक दृ महाप्रबंधक एवं प्रतापगढ़ के नवनिर्वाचित सांसद डॉ. एस.पी. सिंह व पूर्व एम.एल.सी कांति सिंह ने वर्ष 2024 के एल.पी.एस के कक्षा 12 के 480 मेधावियों को प्रशस्ति पत्र व ट्राफी देकर सम्मानित किया द्य 90: व उससे अधिक अंक पाने वाले छात्र–छात्राओं के अभिभावकों को बुके तथा शॉल देकर विशिष्ट रूप से सम्मानित किया गया द्य अपने भाषण के दौरान डॉ. एस.पी.सिंह ने अभिभावकों को बच्चों की देख–रेख के सम्बन्ध में महत्त्वपूर्ण सुझाव दिए द्य इस अवसर पर डॉ. एस. पी.सिंह ने लखनऊ पब्लिक कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लैब में निर्मित रोबोट 'विदुषी' के बारे में यह बताया कि वह कॉलेज कैंपस के अंदर एक स्थान से दूसरे स्थान तक जा सकती है द्य इसके अतिरिक्त उन्होंने एल.पी.सी.पी.एस में आगामी नए कोर्सेज, एम.कॉम, बी.टेक.–ए.आई., बी.टेक.–कंप्यूटर साइंस, बी.टेक.–इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, एम.बी.ए. एवं एम.सी.ए. की जानकारी दी द्य कार्यक्रम में निदेशक नेहा सिंह, गरिमा सिंह, हर्षित सिंह, शिखर पाल सिंह, डिप्टी डायरेक्टर मीना टांगड़ी, एलपीसीपीएस के डीन डॉ. लक्ष्मी शंकर अवस्थी, सभी शाखाओं की प्रधानाचार्य, शिक्षक, अभिभावक व बच्चे उपस्थित थे।

सीडीओ ऋषिराज को मिले 28 विभागों के 56 कर्मी अनुपस्थिति

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। सीडीओ आफिस में उस समय हड़कंप मच गया जब शनिवार को मुख्य विकास अधिकारी ऋषिराज ने सुबह 10.10 बजे अचानक 28 विभागों के दफ्तरों से हाजिरी रजिस्टर मंगा लिया।जब इसे देखा तो वे दंग रह गए।इन सरकारी कार्यालयों के 56 कर्मचारी समय से नहीं पहुंचे थे।उन्होंने इस पर नाराजगी जताते हुए सभी कर्मचारियों का एक दिन का वेतन काटने का आदेश दिया। इसके अलावा उन्होंने विभागाध्यक्षों के माध्यम से सभी को कारण बताओ नोटिस जारी कराया।बताते चलें कि विकास भवन में 28 विभागों के कार्यालय हैं।सीडीओ ऋषिराज को गोपनीय जानकारी मिली थी कि कई कर्मचारी कभी भी ऑफिस निर्धारित समय सुबह 10 बजे नहीं आते हैं।लेट लतीफी उनकी आदत में शामिल है।इससे उन कर्मचारियों में आक्रोश पनपता है जो रोज तय समय पर ऑफिस आ जाते हैं।सच्चाई जानने के लिए सीडीओ ने सुबह 10.10 बजे इन सभी दफ्तरों के कर्मचारियों का हाजिरी रजिस्टर उनके विभागाध्यक्षों के माध्यम से मंगा लिया।पता चला कि 56 कर्मचारी नहीं पहुंचे हैं।इसके बाद सीडीओ ने सभी विभागाध्यक्षों को फटकार लगाते हुए कहा कि वे अपने मातहत कर्मचारियों की अनुशासनहीनता की अनदेखी न करें।

आज पूरे विश्व ने योग को अपना लिया है – शरद स. चांडक

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। भारतीय स्टेट बैंक द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, स्थानीय प्रधान कार्यालय, लखनऊ में मनाया गया। योग विशेषज्ञ अरुणा सिंह ने उपस्थित स्टाफ सदस्यों को सूक्ष्म व्यायाम और प्राणायाम का अभ्यास कराया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक शरद स. चांडक ने अपने सम्बोधन में कहा कि हमें भारत की पुरातन योग प्रक्रिया को अपने दैनिक जीवन में अंगीकार करना होगा । योग से हम स्वस्थ रहते हैं, हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है एवं मानसिक शांति भी मिलती है। आज पूरे विश्व ने योग को अपना लिया है। हमें योग करने हेतु लोगों को जागरूक करना चाहिए। इस कार्यक्रम में महाप्रबंधकगण, उप महाप्रबन्धकगण एवं अन्य स्टाफ ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

राज्यपाल ने अवध विवि की कुलपति को प्रशस्ति–पत्र देकर किया सम्मानित

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने ऑनलाइन योग शपथ में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड के लिए 12 राज्य विश्वविद्यालय के साथ डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय को प्रशस्ति–पत्र देकर सम्मानित किया। शुक्रवार को अपराह्न राजभवन में आयोजित सम्मान कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की ओर से एक लाख तेईस हजार छह सौ सरसठ योग शपथ दिलाने के लिए कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि 12 से 18 जून तक ऑनलाइन योग शपथ ग्रहण कराने में 34 राज्य विश्वविद्यालयों ने हिस्सा लिया था जिनमें 12 विश्वविद्यालयों ने एक लाख से अधिक शपथ दिलाने वाले विश्वविद्यालयों को सम्मान के लिए आमंत्रित किया गया। 25 लाख 93 हजार 275 के योग शपथ के साथ गिनीज बुक वर्ल्ड रिकार्ड में उत्तर प्रदेश पहला प्रदेश बना। राज्यपाल ने बताया कि समाज की बेहतरी के लिए सभी विश्वविद्यालय योग को अपनाये और आने वाली पीढ़ी को योग के प्रति जागरूक करें।विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने बताया कि राज्यपाल की दूरदर्शिता के हम सभी कायल है। उनके प्रयास शिक्षा जगत की बेहतरी व भारत की अनमोल धरोहर योग को जन–जन तक पहुँचाने के लिए ऑनलाइन योग शपथ में विश्व कीर्तिमान बना।

दहेज की बलि चढ़ी विवाहिता– शादी के छह महीने बाद मायके में दी जान

एटा, संवाददाता। एटा के थाना अवागढ़ के कस्बा वसुंधरा में एक नवविवाहिता ने फंदा लगाकर जान दे दी। महिला दो महीने से मायके में ही रह रही थी। मृतका के पिता ने बेटी के पति व अन्य ससुराल वालों पर दहेज मांगने व मानसिक रूप से उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। मूल रूप से नगला मांधाती थाना एका जिला फिरोजाबाद निवासी सुनील कुमार पिछले लगभग 20 वर्षों से वसुंधरा में रह रहे हैं। सुनील ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी शिवानी (22) का विवाह 4 दिसंबर 2023 को बड़े ही धूमधाम के साथ गांव खेड़ा निवासी पंकज के साथ किया था। उस समय अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान–दहेज भी दिया।

कुछ समय बाद ही पंकज व अन्य ससुरालीजन बेटी को परेशान करने लगे। अतिरिक्त दहेज में कार की मांग करते हुए बेटी का मानसिक रूप से उत्पीड़न करते थे। उन्होंने बताया कि उत्पीड़न से तंग आकर दो महीने पहले बेटी घर आ गई और यहीं रह रही थी। 19 जून को शिवानी की मौसी अनीता निवासी रतिभानपुर के यहां भागवत का भंडारा था। हम लोग भी गए थे और शिवानी का पति पंकज भी आया था। वहां पंकज की शिवानी के साथ कहासुनी हो गई। जिसके बाद उसने शिवानी को गालियां देते हुए पीट दिया। हम लोगों ने बीच–बचाव करते हुए दोनों को समझा दिया। बृहस्पतिवार को शिवानी वापस घर लौट आई और शुक्रवार की सुबह लगभग 9 बजे कमरे में जाकर रस्सी के फंदे पर लटक गई। हम लोगों ने देखा तो फंदे से उतारकर मेडिकल कॉलेज लेकर आए। यहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। शिवानी के मामा बंटू यादव ने बताया कि ससुरालजनों के उत्पीड़न से परेशान होकर भांजी ने आत्महत्या की है। थाना प्रभारी जयेंद्र प्रसाद मौर्य ने बताया कि मामले में अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

दरोगा की कार ने बाइक को मारी टक्कर, पीआरडी जवान की मौत

हमीरपुर, संवाददाता। हमीरपुर जिले में भरूआ सुमेरपुर कस्बे के पैलानी तिराहे में दर्दनाक हादसा हो गया। इसमें आईटीआई से ड्यूटी कर लौट रहे पीआरडी जवान की बाइक में बांदा कोतवाली के दरोगा की प्राइवेट गाड़ी ने टक्कर मार दी। पीआरडी जवान की इलाज के दौरान की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी हाउस भेजा है। दोनों वाहनों को पुलिस ने थाने में खड़ा कराया है। थाना क्षेत्र के पचखुरा बुजुर्ग निवासी पीआरडी जवान नत्थू प्रजापति पुत्र दनकवा कस्बे के चंद्रपुरवा गेट स्थित आईटीआई में ड्यूटी करता था। सुबह करीब छह बजे वह ड्यूटी से वापस बाइक द्वारा गांव जा रहा था। तभी पैलानी तिराहे में मोड़ पर दबिश के लिए मुख्यालय जा रहे बांदा कोतवाली के दरोगा की प्राइवेट कार से टक्कर में पीआरडी जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। इस पर दरोगा ने अपनी प्राइवेट कार से पीएचसी पंहुचाया।

शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी हाउस भिजवाया

यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर थानाध्यक्ष राकेश कुमार, क्राइम निरीक्षक रामकुमार, कस्बा इंचार्ज राजवीर सिंह के साथ पीएचसी पंहुचे। शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी हाउस भिजवाया।

मृतक सदर विधायक का रिश्ते में समधी बताया गया है। पुलिस ने परिजनों को घटना की सूचना दे दी है।

खेत में पड़ा मिला युवक का शव, मुंह में ठूस रखा था कपड़ा

हमीरपुर, संवाददाता। हमीरपुर जिले में जलालपुर थाना क्षेत्र के बीलपुर गांव में शुक्रवार सुबह एक युवक का शव खेत में पड़ा मिलने से सनसनी फैल गई। युवक के मुंह में कपड़ा ठूंसकर हाथ रस्सी से बांधकर शव बाहर गांव खेत में फेंक दिया गया। सुबह घटना की जानकारी होते ही सीओ आशीष यादव, थाना प्रभारी ब्रजमोहन व फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। युवक की मां ने बेटे की हत्या की तहरीर जलालपुर थाने में दी है। बीलपुर गांव निवासी रामदुलारी पत्नी ललइयां ने बताया कि उसके पांच पुत्रों में सबसे छोटा पुत्र लखनलाल (28) गांव में ही रहकर पिता के साथ खाडू की डलियां बनवाने में हाथ बंटाता था। आठ बजे घर से खाना खाकर निकला था। शुक्रवार सुबह उसका शव गांव के पंचायत भवन के पीछे जलालपुर रोड के बगल में खेत में पड़ा मिला है। बेटे के हाथ रस्सी से बंधे थे और मुंह में कपड़ा ठूंसा गया था। सुबह खेतों में शौच क्रिया को गए ग्रामीणों ने शव देखा तो, इसकी जानकारी दी।

फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए

ग्रामीणों की सूचना पर कुछ ही देर में पुलिस विभाग के अधिकारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए हैं।

डॉग स्क्वॉयड टीम ने पहुंचकर छानबीन की। जलालपुर इंस्पेक्टर ब्रजमोहन ने बताया कि घटना की जांच–पड़ताल की जा रही है जल्द ही वारदात का पर्दाफाश कर दिया जाएगा।

सिंचाई विभाग के सेवानिवृत्त कर्म चारी से मांगी 15 लाख रुपये की रंगदारी

शामली, संवाददाता। शहर कोतवाली क्षेत्र के गांव बहावड़ी में सिंचाई विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारी जगबीर सिंह के नाम से उसके भाई के घर में चारपाई पर 15 लाख रुपये की रंगदारी मांगने की धमकी भरी चिट्ठी मिली है। चिट्ठी में एक जुलाई तक रंगदारी न देने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई है। सेवानिवृत्त कर्मचारी का एक पुत्र विनीत मलिक उप्र पुलिस में सिपाही है और वर्तमान में जिला मेरठ के मवाना थाने पर तैनात है। सिपाही की तरफ से शहर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। गांव बहावड़ी निवासी सिंचाई विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारी जगबीर सिंह के घर के बराबर में उनके भाई वीर सिंह का मकान है। दो दिन पहले मंगलवार की शाम को वीर सिंह के घर में मुख्य दरवाजे के पास चारपाई पर एक बंद लिफाफा मिला। खेत से लौटे वीर सिंह ने लिफाफा खोला तो उसे पढ़कर होश उड़ गए। लिफाफे में सफेद रंग के कागज पर हिंदी में कंप्यूटर पर टाइप हुई चिट्ठी जगबीर सिंह से नाम से थी। चिट्ठी में जगबीर सिंह से 15 लाख रुपये की रंगदारी मांगते हुए एक जुलाई तक रकम का इंतजाम करने को कहा है। चिट्ठी में धमकी दी गई कि अगर पैसों का इंतजाम नहीं किया या ना देने की इच्छा जताई या आनाकानी की तो उसके तीनों पौते (पौत्रों) व दोनों बेटों को खत्म कर देंगे।

चिट्ठी में एक पौते की कीमत पांच लाख रुपये लिखी है। कहा कि फैसला उसके दोनों लड़कों के हाथ में है। एक जुलाई तक 15 लाख रुपये नहीं दिए तो उसके घर में कहर मचा देंगे। धमकी दी गई कि अगर उसके पुलिसिया बेटे ने या उसने कानूनी कार्रवाई की तो सबका काम तमाम कर देंगे। चिट्ठी देने वाले ने अपना नाम नहीं लिखा है। धमकी भरी चिट्ठी मिलने से परिवार में दहशत बनी है। जगबीर सिंह का सिपाही बेटे विनीत मलिक की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित परिवार के घर पर सुरक्षा के लिए पुलिस तैनात की गई है।

चिट्ठी डालने वाले को है पूरे परिवार की जानकारी

रंगदारी की चिट्ठी डालने वाले को सेवानिवृत्त कर्मचारी के पूरे परिवार के बारे में जानकारी है। उसने चिट्ठी में उसके बेटे व पौते का जिक्र किया है। जगबीर सिंह को सिंचाई विभाग का सेवानिवृत्त कर्मचारी लिखा है। गांव में जिस तरह से चिट्ठी चारपाई पर मिली है, उसे लेकर ग्रामीण भी हैरान है। उधर, रंगदारी मांगने वाला शातिर है। एक तो उसने चिट्ठी में अपना नाम नहीं लिखा। दूसरा चिट्ठी हाथ से न लिखकर किसी कंप्यूटर पर टाइप कर उसका प्रिंट निकलवाया गया। इसके साथ ही लिखा है कि रकम कब कहा पहुंचानी है, वह बाद में बताने की बात कही है।

गांव बहावड़ी में रंगदारी की चिट्ठी मिलने का मामला जानकारी में आया है। इस घटना में थाना पुलिस के साथ एसओजी व सर्विलांस समेत कई टीमें लगाई गई है।

पति-पत्नी के विवाद में समझाने पहुंचा बड़ा भाई, छोटे ने मारी ईंट मौत

औरैया, संवाददाता। औरैया जिले में बिधूना कोतवाली क्षेत्र के रतनपुर में गुरुवार की देर रात पत्नी से विवाद के दौरान समझाने पहुंचे बड़े भाई को नशेबाज छोटे भाई ने ईंट मार दी। इससे बड़ा भाई लहूलुहान होकर घर के आंगन में गिर गया। जानकारी होने पर पहुंचे तीसरे नंबर के भाई ने घायलावस्था में बड़े भाई को सीएचसी पहुंचाया। यहां डॉक्टर ने घायल का उपचार किया, उपचार के बाद परिजन घायल को अस्पताल न ले जाकर घर वापस ले गए। यहां शुक्रवार की सुबह लगभग सात बजे युवक ने दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही, हत्यारोपी भाई को भी गिरफ्तार कर लिया। बता दें कि घटना में मृत हुए ध्यान सिंह (35) पुत्र भारत सिंह बाथम की पत्नी को सात साल पहले हत्यारोपी वीरेंद्र उर्फ कल्लू अपने साथ ले गया था। इसके बाद दोनों ने कोर्ट मैरिज कर ली थी। सभी भाई एक ही घर में अलग–अलग रहते हैं। गुरुवार देर रात लगभग 11.30 बजे शराब के नशे में घर पहुंचे वीरेंद्र से उसकी पत्नी उमा देवी का झगड़ा हो रहा था।

ईंट सिर पर मार दी, ध्यान सिंह लहूलुहान होकर गिर गया

यह देख बड़ा भाई ध्यान सिंह अपने छोटे भाई को समझाने पहुंचा। इस पर दोनों भाइयों में झगड़ा शुरू हो गया। दोनों भाई झगड़ते हुए घर से बाहर आ गए। तभी छोटे भाई वीरेंद्र ने वहां पड़ी ईंट उठाकर ध्यान सिंह के सिर पर मार दी। इससे ध्यान सिंह लहूलुहान होकर वहीं गिर गया।

उपचार के बाद परिजन ध्यान सिंह को घर ले आए

यह देख वीरेंद्र मौके से भाग गया। इसी बीच जानकारी होने पर वहां पहुंचे तीसरे नंबर के भाई जनक सिंह ने अपने भाई ध्यान सिंह को सीएचसी, बिधूना पहुंचाया। यहां डॉक्टर ने ध्यान सिंह का उपचार किया। इसके बाद परिजन ध्यान सिंह को अस्पताल से घर ले आए।

पुलिस ने दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार किया

शुक्रवार की सुबह सात बजे ध्यान सिंह की हालत बिगड़ गई और घर पर ही मौत हो गई। सुबह घटना की जानकारी पर पहुंची बिधूना पुलिस से शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, कई जगह दबिश देकर हत्यारोपी भाई को भी गिरफ्तार कर लिया। जांच कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

50 जगहों पर फाल्ट से बिजली गुल, पेयजल को भी तरसे

शामली, संवाददाता। जिलेभर में बुधवार की रात आए अंधड़ और बूंदाबांदी में 50 से अधिक स्थानों पर फॉल्ट होने से चार से लेकर 10 घंटे तक विद्युत आपूर्ति ठप रही।अत्यधिक गर्मी के कारण लोग बिलबिला उठे। लोगों को पानी की समस्या से भी जूझना पड़ा। सीएचसी में बिना बिजली के पंखे नहीं चलने के कारण मरीज और तीमारदार परेशान रहे। आदर्श मंडी क्षेत्र और झिंझाना रोड पर पेड़ गिरने के कारण उपकेंद्रों पर करीब पांच घंटे आपूर्ति बाधित रही। फॉल्ट के बाद विद्युत आपूर्ति ठप होने से शहर में पटेल नगर, मालैंडी, रेलपार कॉलोनी, आदर्श विहार, माजरा रोड, विश्व कर्मा नगर और गगन विहार में लोग परेशान रहे। घरों में उमस होने से बिना बिजली के लोग बिलबिला उठे। कांधला, जलालाबाद, बाबरी, गढ़ीपुख्ता, झिंझाना में भी जगह–जगह फॉल्ट के कारण लोग परेशान रहे। रात के साथ बृहस्पतिवार सुबह तक कई जगहों पर आपूर्ति सुचारु नहीं होने के कारण लोग पीने के पाती तक को तरस गए। अटल विहार के रहने वाले विपिन कुमार, सोनू, मनीष ने कहा कि रातभर बिजली फॉल्ट के कारण गुल रही, जिसके कारण सुबह के समय पेयजलापूर्ति भी नहीं हो सकी। सुबह के दैनिक काम बिना पानी के नहीं हो पाए तो लोग परेशान हो गए। शिकायत करने के बाद सभासद ने टैंकर मंगवाकर लोगों को जलापूर्ति कराई। मामले की शिकायत डीएम से भी करने की बात कहीं है। रात में अंधड़ के कारण आदर्श मंडी और झिंझाना रोड पर पेड गिरने के कारण बिजली फीडर में आपूर्ति बाधित हो गई। सूचना पर अधीक्षण अभियंता नरेश कुमार मौके पर पहुंचे और मातहतों को जल्द से जल्द आपूर्ति सुचारु कराने के निर्देश दिए। इनके अलावा चारों एक्सईएन ने भी बिजली घरों का जायजा लिया। अंधड़ के कारण जिले के पचास से अधिक स्थानों पर फॉल्ट हो हुए। आपूर्ति सुचारु कराई जा रही है। प्रयास रहेगा कि लोगों को किस भी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाए।

सीएचसी में गर्मी में परेशान रहे मरीज

बिजली लाइनों में फाल्ट के कारण सीएचसी में तक पंखे नहीं चल सके, जिसके कारण मरीजों और उनके साथ आए तीमारदारों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बरला जट गांव के अंकुर, भैंसवाल गांव के अरविंद और शामली की रेखा का कहना था कि बिजली नहीं आने के कारण परेशानी हुई। विभागीय अधिकारियों को अस्पताल में जेनरेट की व्यवस्था करनी चाहिए।

मदरसे में छात्रा से मौलाना ने किया था कुकृत्य, कोर्ट ने सुनाई 10 साल की सजा

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में मदरसे की छात्रा से दुष्कर्म करने वाले मौलाना को अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट सुरेंद्र पाल सिंह ने दस साल कैद और 55 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माने से 50 हजार रुपये पीड़िता को दिए जाएंगे। नौबस्ता क्षेत्र की 15 वर्षीय किशोरी मदरसा गुलशन–ए–फातिमा में पढ़ती थी। गर्मी की छुट्टी के दौरान नौ जून 2019 की सुबह मदरसे के मौलाना जावेद कारी ने किशोरी को फार्म भरने के बहाने बुलाया। उसके न जाने पर खुद घर पहुंचकर उसे मदरसे ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। बेहोश हो जाने पर उसे होश में लाकर दोबारा दुष्कर्म किया। इसके बाद उसे किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देकर भगा दिया। पीड़िता ने मदरसे में पढ़ाने वाली जावेद की मामी आबदा इस्लाम व उसकी बेटी शीबा से शिकायत की, तो उन लोगों ने भी धमकाया। इस पर पीड़िता ने मौलाना जावेद कारी, आबदा और शीबा के खिलाफ नौबस्ता थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

सबूतों के अभाव में आबदा और शीबा बरी

विशेष लोक अभियोजक चंद्रकांत

शर्मा ने बताया कि अभियोजन की ओर से पीड़िता व उसकी मां समेत सात गवाह कोर्ट में पेश किए गए। पीड़िता व उसकी मां ने बयान में तो घटना का जिक्र किया था, लेकिन जिरह में मुकर गईं। हालांकि कोर्ट ने परिस्थितिजन्य सबूतों और अन्य गवाहों के आधार पर जावेद को सजा सुनाई। सबूतों के अभाव में आबदा और शीबा को बरी कर दिया।

गुरु–शिष्या के संबंध को किया कलंकित

सजा पर सुनवाई के दौरान विशेष लोक अभियोजक चंद्रकांत शर्मा ने तर्क रखा कि मौलाना ने गुरु–शिष्या के संबंध को कलंकित किया है। जो समाज के प्रति गंभीर अपराध है। इसलिए अधिकतम सजा दी जाए, जिससे समाज में अच्छा संदेश जाए।

कोर्ट ने जावेद को दस साल कैद की सजा सुनाई

वहीं जावेद के अधिवक्ता का तर्क था कि जावेद पांच साल से जेल में ही बंद है। माता–पिता नहीं हैं, उस पर ही बहनों की शादी की जिम्मेदारी है, इसलिए कम सजा सुनाई जाए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने जावेद को दस साल कैद की सजा सुनाई।

पीड़िता ने कहा था, किसी और के साथ ऐसा न हो, इसलिए उठाया कदम

पीड़िता ने कोर्ट में बयान में कहा था कि जावेद पहले भी कई लड़कियों को अपनी हवस का शिकार बना चुका था। डेढ़ साल पहले भी एक लड़की से दुष्कर्म किया था, लेकिन उसके घरवालों को रुपयों का लालच देकर चुप करा दिया था। इस पर दुखी पीड़िता ने छत से कूदकर जान देने की कोशिश की थी। उसे लालच देने की कोशिश की थी, लेकिन किसी और के साथ ऐसा न हो इसलिए ऐसा कदम उठाया।

विधवा ने दरोगा पर लगाया झांसे में लेकर दुष्कर्म करने का आरोप

शामली। विधवा महिला ने शहर कोतवाली में तैनात उप निरीक्षक पर घर पर मंदिर में शादी की और बाद में कोर्ट मैरिज करने का झांसा देकर सात माह तक यौन शोषण करने का आरोप लगाया। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक अभिषेक को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई। पुलिस अधीक्षक ने सीओ सिटी को मामले की जांच सौंपी है। शहर के एक मोहल्ला निवासी महिला ने पुलिस अधीक्षक अभिषेक को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि वह जिला सहारनपुर के ननौता की रहने वाली है और उसका मायका शामली में है। पीड़िता के मुताबिक 2023 में दीपावली पर शिव चौक शामली पर सजावट का सामान बेचती थी। वहीं पर उसकी मुलाकात शहर कोतवाली में तैनात एक उप निरीक्षक से हुई, जो काफी समय तक उससे शादी करने के लिए कहता रहा। उप निरीक्षक ने उससे कहा कि उसकी पत्नी की मृत्यु हो चुकी है। पीड़िता ने बताया कि उसके पति की चार साल पहले मृत्यु हो गई थी। उप निरीक्षक ने उसे झांसे में लेकर उसके घर पर मंदिर के सामने 20 नवंबर 2011 को हिंदू रीति रिवाज से शादी कर ली। इसके बाद लगभग सात महीने से उसे कोर्ट मैरिज का झांसा देता रहा। पीड़िता के अनुसार उप निरीक्षक उसे उसके तीन बच्चों के साथ किराए के मकान में रहा था और सात माह से उसके साथ दुष्कर्म व यौन शोषण करता रहा।

30 मई को वह अपने मायके गई और जब वापस आई तो मकान खाली मिला। उसने आस पड़ोस के लोगों ने बताया कि उप निरीक्षक सारा सामान लेकर जा चुका है और उसने किसी अन्य महिला को दो दिन तक मकान में रखा था। उसने उप निरीक्षक के मोबाइल फोन पर संपर्क करना चाहा तो वह स्विच ऑफ आया। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई। पुलिस अधीक्षक ने इस प्रकरण की जांच सीओ सिटी श्याम सिंह को सौंपी है।

संक्षिप्त खबरें

पति के अवैध संबंध से आहत विवाहिता ने फंदे से लटककर दी जान

कानपुर, संवाददाता। पति के दूसरी महिला से अवैध संबंधों का विरोध करने पर पिटाई से तंग आकर विवाहिता ने शादी की सालगिरह की रात फंदे से लटककर जान दे दी। मृतका के परिजनों के आरोप पर से पश्चिमपारा पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रयागराज के करछना फत्तेपुर निवासी स्मिता (30) की शादी 20 जून 2014 को सतबरी गांव के जब्बर सिंह से हुई थी। दोनों के दो बेटे और एक बेटी है। जब्बर मूलरूप से बांदा जिले के कर्बी के रहने वाले हैं। स्मिता के भाई संजीव कुमार ने बताया कि बहनोई जब्बर के अन्य महिला से संबंध हैं। बहन स्मिता इसका विरोध करती तो बहनोई और ससुराल वाले आए दिन उससे मारपीट करते थे। इससे परेशान होकर बुधवार देर रात स्मिता ने फंदा लगाकर जान दे दी। पति और ससुराल वाले शव लेकर बांदा कर्बी जा रहे थे, तभी उन्हें बहन की मौत का पता चला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। सेन पश्चिम पारा थाना प्रभारी राकेश सिंह ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग को चार घंटे तक बेल्ट से पीटते रहे दबंग

आगरा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के मलपुरा थाना क्षेत्र में दबंगों ने एक नाबालिग को बेरहमी से पीटा। उसके शरीर के जख्म दरिंदगी की इंतहा को बयां कर रहे हैं। कसूर सिर्फ इतना था कि नाबालिग ने बहन के साथ छेड़खानी का विरोध किया था। ये मामला थाना मलपुरा क्षेत्र के एक गांव का है। बताया जा रहा कि किशोर की बहन के साथ गांव के ही कुछ दबंग लोगों ने छेड़खानी कर दी थी। जब इसकी जानकारी किशोर को हुई तो उसने विरोध करना शुरू कर दिया। इसी बात पर गुस्साए लोगों ने किशोर को पकड़ लिया। दबंगों ने चार घंटे तक बेल्ट से किशोर को बेरहमी से पीटा। इस दौरान वो दबंगों के चंगुल से भाग निकला, तो आरोपी उसके पीछे तमंचा लेकर दौड़े। इस दौरान ग्रामीणों की भीड़ जुटना शुरू हो गई, जिसके बाद आरोपी वहां से भाग निकले।

पति के खिलाफ दर्ज कराई दुष्कर्म की रिपोर्ट

कानपुर, संवाददाता। नशीली दवाएं खिलाकर चारपाई में बांधकर दुष्कर्म करने और वेश्या जैसे अपशब्द कहकर अपमानित करने का आरोप लगाते हुए महिला ने पति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कोतवाली के एक गांव निवासी महिला ने एसपी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि पति अपराधी प्रवृति का है। आरोप लगाया कि उसे नशीली और उत्तेजक दवाएं खिलाकर उसके साथ सहवास का प्रयास करता है। मना करने पर चारपाई में रस्सी से बांधकर उसके साथ दुष्कर्म करता है। आए दिन उसके साथ अभद्रता करता है। शिकायती पत्र में यह भी आरोप लगाया कि वह पहली पत्नी की हत्या कर चुका है। इन दिनों वह जमानत पर है। पति को उसका बहनोई और भांजे उकसाते है। कहते हैं कि पत्नी की हत्या कर दो, हम जेल से छुड़ा लेंगे। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि पति उसे वेश्या कहकर समाज में बदनाम करता है। इससे उसका जीना मुहाल हो गया है। एसपी के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी पति लाला के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

आगरा में दर्दनाक हादसा– कार पेट कारोबारी के घर में लगी आग

आगरा, संवाददाता। आगरा के थाना सदर क्षेत्र में गुरुवार देर रात को बड़ा हादसा हो गया। कावेरी विहार निवासी कारपेट कारोबारी के घर में आग लग गई। आग में कारपेट कारोबारी का बेटा जिंदा जल गया है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। आग को बुझाकर शव को निकाला। प्रथम दृष्टया मंदिर में रखे दीपक से आग लगना बताया जा रहा है।

पुलिस ने बताया कि सदर में शहीद नगर चौकी के पास कावेरी बिहार कॉलोनी है। यहां पर कारपेट कारोबारी केजी वशिष्ठ रहते हैं। गुरुवार को घर पर केजी वशिष्ठ व उनका 35 साल का बेटा भारत वशिष्ठ अकेला था। रात करीब सवा 12 बजे पुलिस को सूचना मिली कि कावेरी बिहार में घर में आग लग गई है। घर में एक युवक फंस गया है। सूचना पर फायर ब्रिगेड और पुलिस पहुंच गई। घर में आग लगी थी। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया।

योग से रहें निरोग, पश्चिमी यूपी में विभिन्न स्थानों पर हुए कार्यक्रम

मेरठ, संवाददाता। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अलग–अलग जिलों में लोगों ने पार्कों और खुले स्थानों पर एकत्र होकर योग किया और निरोगी होने का संकल्प लिया। इस मौके पर जिला प्रशासन की तरफ से भी योग शिविर लगाए गए थे।

योगमय कर्म करें, निरोगी बने

सहारनपुर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कम्पनी बाग में अयोजित कार्यक्रम में पदम् श्री भारत भूषण ने कहा योगमय होकर कर्म करें। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय शामिल हुए। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। बच्चों ने गणेश वंदना पर संस्कृत कार्यक्रम प्रस्तुत किया। पदम् श्री भारत भूषण ने योगासन कराये। उन्होंने कहा कि योग करने वाला व्यक्ति हमेशा स्वस्थ रहता है। योग को एक दिन नहीं जीवन में नियमित अपने जीवन में अपनाएं। आज पूरी दुनिया भारत के योग को अपना रही है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।